website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक

रॉयल पत्रिका

वर्ष : 14 | अंक : 33 | पेज: 8 | जयपुर, मंगलवार 13 जनवरी 2026 | मूल्य: 1.50 रुपये

'भारत जैसा कोई नहीं, पीएम मोदी–ट्रंप की दोस्ती रियल', तारीफों के पुल बांध सर्जियो गोर ने दिया ट्रेड डील पर बड़ा अपडेट

नई दिल्ली। भारत में अमेरिकी राजदूत का पद संभालने के बाद सर्जियो गोर ने भारत–अमेरिका रणनीतिक साझेदारी को लेकर अहम बयान दिया है। उन्होंने दोनों देशों के रिश्तों को मजबूत बताते हुए कहा कि भारत और अमेरिका की दोस्ती आने वाले समय में और गहराएगी। इसके साथ ही उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दोस्ती का भी विशेष तौर पर उल्लेख किया। सर्जियो गोर ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबंधों पर बात करते हुए कहा कि ट्रंप और मोदी की दोस्ती पूरी तरह रियल है। उन्होंने पीएम मोदी को ट्रंप का 'Dear Friend' बताया और कहा कि दोनों नेताओं के बीच गहरा आपसी विश्वास, सम्मान और स्पष्ट संवाद है, जो द्विपक्षीय रिश्तों को नई ऊंचाई देता है।

सर्जियो गोर ने किया बड़ा ऐलान

सर्जियो गोर ने घोषणा की कि अमेरिका के नेतृत्व वाली नई वैश्विक पहल पैक्ससिलिका (Pax Silica) में भारत को पूर्ण सदस्य के रूप में शामिल होने के लिए अगले महीने औपचारिक निमंत्रण दिया जाएगा। इस कदम को भारत–अमेरिका के बीच तकनीक, सप्लाई चेन और रणनीतिक सहयोग के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

क्या है पैक्ससिलिका

सर्जियो गोर के अनुसार पैक्ससिलिका अमेरिका द्वारा पिछले महीने शुरू की गई एक नई रणनीतिक

पहल है। इसका मकसद महत्वपूर्ण खनिजों, ऊर्जा इनपुट, एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग, सेमीकंडक्टर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) डेवलपमेंट और लॉजिस्टिक्स से जुड़ी एक सुरक्षित, समृद्ध और इनोवेशन-आधारित सिलिकॉन सप्लाई चेन विकसित करना है। उन्होंने बताया कि इस पहल में पहले से जापान, दक्षिण कोरिया, यूनाइटेड किंगडम और इजरायल शामिल हैं और अब भारत को भी पूर्ण सदस्य बनाने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है।

ट्रेड डील पर बातचीत जारी

भारत–अमेरिका ट्रेड डील को लेकर सर्जियो गोर ने कहा कि दोनों देशों के बीच इस मुद्दे पर लगातार बातचीत हो रही है। उन्होंने बताया कि दोनों पक्ष इस समझौते को अंतिम रूप देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं और अगली औपचारिक वार्ता कल होने जा रही है, जिससे सकारात्मक नतीजों की उम्मीद है।

भारत की तारीफ करते हुए किया पहले दौरे का जिक्र

राजदूत सर्जियो गोर ने भारत की जमकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा, "नमस्ते, यहां होना मेरे लिए एक शानदार अनुभव है। भारत और अमेरिका की साझेदारी को अगले स्तर तक ले जाना हमारा उद्देश्य है।" उन्होंने अपने पहले भारत दौरे का जिक्र करते हुए बताया कि साल 2023 में उन्होंने जयपुर, रणथंभौर और पंजाब की यात्रा की थी। गोर ने कहा कि भारत के लोग बेहद मित्रवत हैं और 'Incredible India' वास्तव में अपने नाम को पूरी तरह सार्थक करता है।

क्या ईरान और अमेरिका के बीच तनाव से भारत की बढ़ सकती हैं मुश्किलें? जानें क्या होगा असर?

नई दिल्ली । अमेरिका और ईरान के बीच संघर्ष इस वक्त चरम पर है। बताया जा रहा है कि मध्य-पूर्व के इस देश में लोग अयातुल्ला अली खामेनेई के नेतृत्व वाली सरकार के खिलाफ सड़कों पर उतरे हुए हैं। इतने बड़े पैमाने पर सरकार विरोधी प्रदर्शन बीते 47 साल के इतिहास में पहले भी नहीं देखा गया है। ईरान में 28 दिसंबर को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रियाल की कीमत गिरने और बढ़ती महंगाई को लेकर लोग सड़कों पर हैं। अब सवाल यह आता है कि क्या ईरान में फैली इस आग की लपटें भारत को भी अपनी चपेट में लेगी? क्या ईरान में इस अशांति का असर भारत पर भी पड़ेगा? यह सवाल इसलिए दिमाग में आ रहा है क्योंकि भारत रणनीतिक और व्यापारिक दृष्टिकोण से ईरान से जुड़ा हुआ है। आइए इसे थोड़ा और डिटेल में समझते हैं।

भारत के लिए क्या है चिंता की बात?

ईरान की बिगड़ती जा रही हालत और अमेरिका के साथ बढ़ता तनाव भारत के लिए इसलिए चिंताजनक है क्योंकि भारत सेंट्रल एशिया, रूस और यूरोप तक अपनी पहुंच बढ़ाने

पर फोकस करते हुए कई सारे प्रोजेक्ट्स में भारी पैसा लगा रखा है। इनमें सबसे अहम ईरान के दक्षिण-पूर्वी तट पर स्थित चाबहार बंदरगाह है। यह एक ऐसी परियोजना है, जिस पर भारत लाखों डॉलर खर्च किए हैं। इसी बंदरगाह के जरिए भारत पाकिस्तान को बाईपास करते हुए अफगानिस्तान और मिडिल ईस्ट के देशों तक सीधे पहुंच पाता है।

क्यों अहम है चाबहार पोर्ट?

चाबहार पोर्ट इंटरनेशनल नॉर्थ-साउथ ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर का भी एक अहम हिस्सा है। सात हजार किलोमीटर से ज्यादा लंबा यह कॉरिडोर जहाज, रेल और सड़क मार्गों का एक नेटवर्क है, जो भारत को ईरान के साथ-साथ अफगानिस्तान, अजरबैजान, अर्मीनिया, रूस, मिडिल ईस्ट और यूरोप से कनेक्ट करता है। इससे INSTC स्वेज नहर वाले रूट के मुकाबले छोटा है, जिससे माल की ढुलाई में समय और लागत दोनों कम आता है। इससे दुनिया के कई देशों से भारत का कारोबार बढ़ता है, जिससे भारत की इकोनॉमी मजबूत होती है।

भारत और ईरान के बीच कारोबार

कॉमर्स डिपार्टमेंट की डेटा के मुताबिक, भारत और ईरान के बीच बड़े पैमाने पर कारोबार होता है। कारोबारी साल 2024-25 में यह लगभग 1.68 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया। इसमें से भारत ने 1.24 बिलियन डॉलर के सामान का एक्सपोर्ट किया। जबकि इम्पोर्ट महज 0.44 बिलियन डॉलर का ही किया। ईरान में तनाव बढ़ने से चाबहार बंदरगाह के बीच व्यापारिक गतिविधियां कम हो जाएंगी, जिससे INSTC के जरिए होने वाले कारोबार पर भी असर पड़ने की संभावना है।

वॉशरूम में दो बार बेहोश हुए पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़

-दिल्ली AIIMS में भर्ती, जानें अब कैसी है तबीयत

नई दिल्ली । पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को पिछले सप्ताह दो बार बेहोश होने के बाद सोमवार को दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (AIIMS) में भर्ती कराया गया है। अधिकारियों के मुताबिक, उनकी सेहत की विस्तृत जांच की जा रही है और एम्स में उनका एमआरआई कराया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि 10 जनवरी को जगदीप धनखड़ को वॉशरूम में दो बार बेहोशी का दौरा पड़ा था। इसके बाद उनकी स्थिति को देखते हुए उन्हें एम्स ले जाया गया। एक अधिकारी ने कहा, "आज उन्हें एम्स ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के लिए भर्ती करने की सलाह

दी।"

पहले भी कई बार बेहोश हो चुके हैं धनखड़

यह पहली बार नहीं है जब जगदीप धनखड़ को बेहोशी की समस्या हुई हो। इससे पहले भी वह कई मौकों पर बेहोश हो चुके हैं। इनमें कच्छ का रण, उत्तराखंड, केरल और दिल्ली की घटनाएं शामिल हैं, जब वह उपराष्ट्रपति के रूप में सार्वजनिक कार्यक्रमों में हिस्सा लेने पहुंचे थे। लगातार सामने आ रही इन घटनाओं के चलते उनकी सेहत को लेकर पहले भी चिंताएं जताई जाती रही हैं।

मानसून सत्र में 21 जुलाई को दिया था इस्तीफा

संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई 2025 को शुरू हुआ था। उसी दिन बतौर राज्यसभा के सभापति, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने दिन में राज्यसभा की कार्यवाही का संचालन किया था। हालांकि, उसी रात उपराष्ट्रपति के आधिकारिक एक्स (पूर्व में ट्विटर) अकाउंट से उनके इस्तीफे की जानकारी सामने आई। अपने इस्तीफे में उन्होंने स्वास्थ्य कारणों का हवाला दिया था।

नीतीश कुमार ने रिवाइव करा दिया वरना... तेजस्वी पर चिराग का पलटवार, सौ दिन क्या 5 साल मत बोलिए

पटना। विदेश यात्रा से लौटे राजद नेता तेजस्वी यादव ने पटना पहुंचते ही मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उनकी सरकार पर तीखा हमला बोला। तेजस्वी ने जनता से वादा खिलाफी और धन के बल पर सत्ता हासिल करने का आरोप लगाया। उनके इन बयानों पर केंद्रीय मंत्री और लोजपा राम विलास के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने कड़ा पलटवार किया। चिराग ने कहा कि जनता से दूरी और लगातार गलतबयानी के चलते तेजस्वी का जनाधार खिसक गया है। अगर यही हाल रहा तो आने वाले समय में डबल डिजिट तक पहुंचना भी उनके लिए मुश्किल हो जाएगा। गौरतलब है कि नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव विधानसभा का शीतकालीन सत्र छोड़कर विदेश यात्रा पर चले गए थे। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष की जिम्मेदारी संभालने वाले तेजस्वी यादव लंबे समय तक बिहार से बाहर रहे और लौटते ही सरकार को चुनावी वादे पूरे करने के लिए 100 दिनों का अल्टीमेटम दे दिया। इस पर जब चिराग पासवान से सवाल किया गया तो उन्होंने तेजस्वी यादव को आईना दिखाया। चिराग ने कहा कि इसी तरह के बड़बोलेपन की वजह से जनता ने उन्हें करारी हार का स्वाद चखाया। वे लगातार गलत आरोप लगाते रहते हैं। अगर यही रवैया रहा तो अगली बार डबल डिजिट में भी पहुंचना मुश्किल होगा। सौ दिन के अल्टीमेटम पर चिराग ने तंज कसते हुए कहा कि पांच साल तक भी कुछ मत बोलिए, क्योंकि उनके पास बोलने को कुछ है ही नहीं। चिराग पासवान ने आगे कहा कि तेजस्वी यादव जनादेश का अपमान कर रहे हैं। कभी ईवीएम पर सवाल उठाते हैं तो कभी एसआईआर को लेकर शंका जताते हैं। जहां जीत होती

है, वहां ईवीएम सही लगती है। 2010 में ही सबको पता चल गया था कि राजद और कांग्रेस की स्थिति क्या है। 2015 में अगर नीतीश कुमार ने मौका नहीं दिया होता तो ये कभी रिवाइव ही नहीं हो पाते। 2020 में अगर हमारी पार्टी एनडीए में होती तो इन्हें अपनी असली स्थिति का अंदाजा हो जाता। चिराग ने कहा कि तेजस्वी को पहले बैठकर अपनी हार की समीक्षा करनी चाहिए, उसके बाद कुछ बोलना चाहिए। चिराग पासवान ने यह भी कहा कि ये लोग अपना जनाधार खो चुके हैं। तेजस्वी यादव के लंबे मौन से उनके विधायक भी निराश हैं। न तो कार्यकर्ताओं से संवाद है और न ही संगठन से जुड़ाव। उन्होंने कहा कि वो दिन दूर नहीं जब तेजस्वी नेता प्रतिपक्ष रहने लायक भी नहीं रहेंगे। उन्हें पहले यह बताना चाहिए कि हार क्यों हुई। 18 नवंबर को सरकार बनाने का ऐलान कर दिया गया था और इसी अहंकार को जनता ने नकार दिया। चिराग ने कहा कि एनडीए ने अपने मेनिफेस्टो में जितने भी वादे किए हैं, उन्हें पूरा किया जाएगा। तेजस्वी को मौन रहने के बजाय सवाल पूछने चाहिए, सरकार हर सवाल का जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार है।

यूपी में 14 जनवरी नहीं, इस दिन होगी मकर संक्रांति की छुट्टी, योगी सरकार का आदेश जारी

यूपी। उत्तर प्रदेश में मकर संक्रांति के अवसर पर घोषित सार्वजनिक अवकाश की तारीख में बदलाव किया गया है। राज्य सरकार ने मकर संक्रांति की छुट्टी 14 जनवरी के बजाय 15 जनवरी को घोषित की है। इस संबंध में शासन की ओर से आदेश भी जारी कर दिया गया है। पहले 14 जनवरी को घोषित अवकाश को संशोधित करते हुए यह फैसला लिया गया है। यह निर्णय 17 नवंबर 2025 को जारी वर्ष 2026 की अवकाश सूची में किए गए संशोधन के तहत किया गया है। उत्तर प्रदेश शासन की ओर से जारी आदेश के अनुसार, 17 नवंबर 2025 को वर्ष 2026 के लिए घोषित अवकाशों की सूची में मकर संक्रांति के अवसर पर 14 जनवरी 2026 को अवकाश निर्धारित किया गया था। हालांकि शासन स्तर पर विचार-विमर्श के बाद अवकाश की तिथि में बदलाव किया गया और अब मकर संक्रांति का अवकाश 15 जनवरी 2026 को घोषित करने का निर्णय लिया गया है।

15 जनवरी को मकर संक्रांति का अवकाश

शासन द्वारा जारी आदेश में स्पष्ट किया गया है कि मकर संक्रांति का अवकाश 14 जनवरी के स्थान पर 15 जनवरी को घोषित किया गया है। यह निर्णय निगोशिएबुल इंस्ट्रूमेंट एक्ट 1881 के प्रावधानों के अंतर्गत लिया गया है। आदेश में बताया गया है कि

निगोशिएबुल इंस्ट्रूमेंट एक्ट 1881 के तहत दिनांक 15 जनवरी 2026 को मकर संक्रांति का सार्वजनिक अवकाश प्रभावी रहेगा।

14 जनवरी को मनाई जाएगी मकर संक्रांति

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार हिंदू धर्म में मकर संक्रांति का विशेष महत्व है। पौष मास में जिस दिन सूर्य मकर राशि में प्रवेश करता है, उसी दिन मकर संक्रांति का पर्व मनाया जाता है। इस दिन स्नान और दान का विशेष महत्व माना जाता है। मकर संक्रांति के अवसर पर दूर-दराज से श्रद्धालु प्रयागराज पहुंचकर मां गंगा में आस्था की डुबकी लगाते हैं। धार्मिक दृष्टि से मकर संक्रांति का पर्व 14 जनवरी 2026 को ही मनाया जाएगा। पर्व-त्योहार न केवल पूजा-पाठ का अवसर होते हैं, बल्कि परिवार और समाज के साथ खुशियां साझा करने का भी माध्यम बनते हैं।

पांच साल में 4 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी, आगामी बजट पर क्या बोले CM भजनलाल?

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकता है कि आगामी बजट पूरी तरह युवा-केंद्रित हो। मुख्यमंत्री आवास पर बजट से पहले छात्रों से संवाद करते हुए उन्होंने कहा कि भारत एक युवा राष्ट्र है और ऐसे में भारत व राजस्थान को विकसित बनाने में युवाओं की भूमिका सबसे अहम है। मुख्यमंत्री ने कहा, "युवाओं की ऊर्जा ही विकास को गति देगी। युवा हमारी सरकार की प्राथमिकता हैं। हमारी कोशिश है कि बजट युवा केंद्रित बने, ताकि विकास को तेज किया जा सके और 'विकसित राजस्थान' का लक्ष्य हासिल हो।" मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बताया कि पिछले दो वर्षों में एक लाख से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरियां दी जा चुकी हैं, जबकि करीब 1.5 लाख पदों पर भर्ती प्रक्रिया अभी जारी है। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य पांच साल में चार लाख युवाओं को सरकारी नौकरी देने का है, जबकि प्राइवेट सेक्टर में छह लाख रोजगार सृजित करने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने यह भी बताया कि निजी क्षेत्र में अब तक करीब ढाई लाख रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जा चुके हैं।

पेपर लीक के मामलों में सख्ती

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने युवाओं के भविष्य को सुरक्षित रखने के लिए पेपर लीक के मामलों में सख्त रुख अपनाया है। उन्होंने बताया कि तीन लाख से अधिक युवाओं को

स्किल ट्रेनिंग दी जा चुकी है और लगभग दो लाख युवाओं को इंटर्नशिप प्रोग्राम का लाभ मिला है। इसके अलावा 658 स्टार्टअप्स को सरकारी सहायता दी गई है। भजनलाल शर्मा ने दावा किया कि पिछले दो वर्षों में पेपर लीक का एक भी मामला सामने नहीं आया है, जबकि पिछली सरकार के कार्यकाल में युवाओं के सपनों के साथ खिलवाड़ किया गया था।

बजट की तैयारी

राजस्थान सरकार फरवरी महीने में बजट पेश कर सकती है और इसकी तैयारियां जोरों पर हैं। यह भजनलाल सरकार के कार्यकाल का तीसरा बजट होगा। बजट फरवरी के दूसरे सप्ताह में पेश किए जाने की संभावना है, हालांकि इस पर अंतिम निर्णय अभी होना बाकी है। वहीं राजस्थान विधानसभा का सत्र 28 जनवरी से शुरू होने जा रहा है, जिसमें बजट को लेकर व्यापक चर्चा होने की उम्मीद है।

ईरान में 84 घंटे से ज्यादा समय से फोन संपर्क ठप, मौत का आंकड़ा 500 पार पहुंचा; हजारों लोग गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान में पिछले दो सप्ताह से सरकार विरोधी प्रदर्शन लगातार जारी हैं। हालात इतने गंभीर हो गए हैं कि बीते 84 घंटे से अधिक समय से देशभर में फोन और इंटरनेट सेवाएं पूरी तरह बंद हैं। संचार व्यवस्था ठप होने से लोग एक-दूसरे से संपर्क नहीं कर पा रहे हैं और हालात की जानकारी बाहर तक पहुंचना भी मुश्किल हो गया है। अमेरिकी मीडिया और मानवाधिकार संगठनों के मुताबिक, इन प्रदर्शनों में अब तक मरने वालों की संख्या 500 के पार पहुंच चुकी है। ईरान में ह्मन राइट्स एक्टिविस्ट्स संगठन की न्यूज सर्विस ह्मन राइट्स एक्टिविस्ट न्यूज एजेंसी (एचआरएएनए) ने दावा किया है कि पिछले 15 दिनों में कम से कम 544 लोगों की मौत हो चुकी है। मृतकों में आठ बच्चे भी शामिल बताए गए हैं। इसके अलावा 10,681

से अधिक लोगों को गिरफ्तार कर जेलों में भेजा गया है। इससे पहले की रिपोर्ट्स में मौतों का आंकड़ा करीब 115 और गिरफ्तार लोगों की संख्या दो हजार के आसपास बताई जा रही थी, लेकिन ताजा आंकड़े स्थिति की गंभीरता को दर्शाते हैं। इसी बीच एक वीडियो सामने आया है, जिसमें कथित तौर पर प्रदर्शन के दौरान बच्चों को निशाना बनाते हुए विस्फोटक फेंके जाते दिखाई दे रहे हैं। हालांकि वीडियो में दिख रहे बच्चे बाल-बाल बच गए। इस घटना के बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ईरान में मानवाधिकारों को लेकर चिंता और बढ़ गई है। दूसरी ओर, अमेरिका ने भी इस मुद्दे पर सख्त रुख अपनाया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि ईरान बातचीत के लिए तैयार हो गया है। उन्होंने बताया कि अमेरिकी सरकार ईरान के मामले में संभावित सैन्य विकल्पों पर विचार कर रही थी, जिसके चलते तेहरान वार्ता के लिए आगे आया। इससे पहले अमेरिकी मीडिया न्यूयॉर्क टाइम्स ने भी रिपोर्ट किया था कि ट्रंप को ईरान को लेकर सैन्य विकल्पों की ब्रीफिंग दी गई थी। वहीं, ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने एक वीडियो संदेश में दावा किया है कि तमाम विरोधों और दबावों के बावजूद इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान मजबूत बना हुआ है और दुश्मनों की सभी कोशिशें नाकाम रही हैं।

टैरिफ पर तनातनी के बीच डोनाल्ड ट्रंप आएंगे भारत? अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने किया खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और अमेरिका के बीच टैरिफ को लेकर चल रही तनातनी के बीच भारत में अमेरिका के नए राजदूत सर्जियो गोर ने बड़ा बयान दिया है। पदभार संभालने के बाद गोर ने भारत–अमेरिका रिश्तों, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दोस्ती, ट्रेड डील और ट्रंप की संभावित भारत यात्रा को लेकर अहम जानकारियां साझा कीं। सर्जियो गोर ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप और प्रधानमंत्री मोदी की दोस्ती बेहद सच्ची और मजबूत है। उन्होंने बताया कि वह खुद राष्ट्रपति ट्रंप के साथ दुनिया के कई देशों की यात्रा कर चुके हैं और इस दोस्ती की गवाही दे सकते हैं। गोर के मुताबिक, दोनों नेताओं के बीच सिर्फ राजनीतिक नहीं, बल्कि व्यक्तिगत स्तर पर भी भरोसा और सम्मान है।

रिश्ते फायदे नहीं, भरोसे पर आधारित

अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने कहा कि भारत और अमेरिका के रिश्ते केवल फायदे के लिए नहीं हैं, बल्कि विश्वास और सहयोग पर टिके हुए हैं। उन्होंने कहा कि असली दोस्ती में कभी-कभी मतभेद हो सकते हैं, लेकिन मजबूत रिश्तों में मतभेदों को बातचीत के जरिए सुलझा लिया जाता है। यही भारत–अमेरिका संबंधों की असली ताकत है।

बताया कब आ सकते हैं ट्रंप?

डोनाल्ड ट्रंप की भारत यात्रा को लेकर सर्जियो गोर ने बड़ा अपडेट दिया। उन्होंने कहा, "मुझे उम्मीद है कि राष्ट्रपति ट्रंप जल्द ही भारत का दौरा करेंगे, संभव है कि अगले एक या दो साल में।" उन्होंने मजाकिया अंदाज में यह भी कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप को देर रात फोन करने की आदत है और सुबह 2 बजे का समय नई दिल्ली के हिसाब से उनके लिए बिल्कुल सही बैठता है।

भारत–अमेरिका ट्रेड डील पर बड़ा अपडेट

सर्जियो गोर ने भारत–अमेरिका ट्रेड डील को लेकर भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दोनों देशों के अधिकारी इस पर सक्रिय रूप से बातचीत कर रहे हैं और अगली औपचारिक बैठक कल होने वाली है। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा देश है, इसलिए ट्रेड डील को अंतिम रूप देना आसान नहीं है, लेकिन दोनों देश पूरी मेहनत से इसे पूरा करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। गोर ने यह भी कहा कि ट्रेड के अलावा दोनों देश सुरक्षा, ऊर्जा, टेक्नोलॉजी, शिक्षा, स्वास्थ्य और आतंकवाद से निपटने जैसे अहम क्षेत्रों में भी साथ मिलकर काम कर रहे हैं।

भारत को मिली बड़ी खुशखबरी

अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने भारत के लिए एक बड़ी खुशखबरी का ऐलान किया। उन्होंने कहा, "अगले महीने भारत को पैक्ससिलिका (PaxSilica) में पूर्ण सदस्य बनने के लिए आमंत्रित किया जाएगा।" उन्होंने बताया कि पैक्ससिलिका अमेरिका की अगुवाई वाली एक रणनीतिक पहल है, जिसका उद्देश्य खनिज, ऊर्जा, एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग, सेमीकंडक्टर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) और लॉजिस्टिक्स जैसे क्षेत्रों में एक सुरक्षित और मजबूत सिलिकॉन सप्लाई चेन तैयार करना है। इस पहल में पहले जापान, दक्षिण कोरिया, यूनाइटेड किंगडम और इजरायल शामिल थे और अब भारत को भी इस अहम समूह में शामिल किया जाएगा।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

अमेरिका का हस्तक्षेप: ईरान, तेल और वैश्विक प्रभुत्व की राजनीति

जब किसी देश की महत्वाकांक्षाएं बदलती हैं, तो उसका असर केवल उसकी सीमाओं तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरी दुनिया में महसूस किया जाता है। आज यही स्थिति दुनिया के सबसे शक्तिशाली देश अमेरिका की है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लगातार ऐसे कदम उठा रहे हैं, जिनसे यह आभास मिलता है कि अमेरिका खुद को पूरी दुनिया का निर्णायक समझने लगा है। टैरिफ के जरिए वैश्विक बाजारों में उथल-पुथल मचाने के बाद ट्रंप प्रशासन यूक्रेन, वेनेजुएला और अब ईरान के आंतरिक मामलों में भी खुलकर दखल देता नजर आ रहा है। सवाल यह है कि आखिर अमेरिका को दूसरों के घरेलू मामलों में हस्तक्षेप करने का अधिकार किसने दिया और क्या बदलती वैश्विक परिस्थितियों में यह रवैया उचित ठहराया जा सकता है? अमेरिका का इतिहास बताता है कि दूसरों के मामलों में दखल देना उसकी पुरानी नीति रही है। वह अक्सर अपने कदमों को लोकतंत्र, मानवाधिकार और वैश्विक सुरक्षा के नाम पर सही ठहराता है, लेकिन हकीकत में इसके पीछे उसके रणनीतिक और आर्थिक हित छिपे होते हैं। ताजा मामला ईरान का है, जहां राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने आरोप लगाया है कि अमेरिका और इजराइल देश में दंगे भड़काकर अराजकता फैलाना चाहते हैं। उन्होंने ईरानी जनता से अपील की है कि वे दंगाइयों और आतंकवादी तत्वों से दूरी बनाए रखें। ईरान में धार्मिक सत्ता को चुनौती देने वाले राष्ट्रव्यापी विरोध प्रदर्शनों को दो हफ्तों से ज्यादा का वक्त हो चुका है। इन हिंसक घटनाओं में अब तक करीब 190 लोगों की जान जा चुकी है। हालात इतने गंभीर हैं कि ईरान के संसद अध्यक्ष ने चेतावनी दी है कि यदि अमेरिका राष्ट्रपति ट्रंप की धमकियों के मुताबिक इस्लामी गणराज्य पर हमला करता है, तो अमेरिकी सेना और इजराइल ईरान के वैध लक्ष्य होंगे। ईरान का साफ आरोप है कि अमेरिका न केवल देश में असुरक्षा का माहौल बना रहा है, बल्कि आतंकवाद और हिंसा को भी हवा दे रहा है। साथ ही यह भी कहा जा रहा है कि ईरान की मौजूदा आर्थिक परेशानियों की बड़ी वजह अमेरिका द्वारा लगाए गए अवैध और अन्यायपूर्ण प्रतिबंध हैं। दूसरी ओर, अमेरिका का दावा है कि वह ईरान में मानवाधिकारों की रक्षा करना चाहता है और परमाणु समझौते के पालन को सुनिश्चित करने के लिए दबाव बना रहा है। लेकिन ईरान इसे सीधे-सीधे अपने आंतरिक मामलों में दखल मानता है। एक संप्रभु राष्ट्र के तौर पर ईरान का कहना है कि उसे अपने फैसले खुद करने का अधिकार है, न कि किसी बाहरी ताकत के इशारों पर चलने का। अगर इतिहास पर नजर डालें तो ईरान में अमेरिकी हस्तक्षेप की कहानी 1953 से शुरू होती है, जब अमेरिका ने प्रधानमंत्री मोहम्मद मोसादेघ की चुनी हुई सरकार का तख्तापलट करवा दिया था। इसके बाद शाह वंश का शासन स्थापित हुआ, जो पूरी तरह अमेरिका के प्रभाव में था।

ट्रंप की आक्रामक नीतियां और वैश्विक दादागीरी दुनिया को अस्थिरता, संघर्ष और अंतरराष्ट्रीय नियमों के गंभीर संकट की ओर ले जाती हुईं

-तेल, टैरिफ और ताकत के सहारे ट्रंप ने विश्व राजनीति में अराजकता और भय का माहौल बनाया

नए वर्ष का आगमन होते ही दुनिया एक ऐसे घटनाक्रम की गवाह बनी, जिसने अंतरराष्ट्रीय राजनीति और कूटनीति की नींव को हिला कर रख दिया। अमेरिकी सेना ने एक अप्रत्याशित सैन्य कार्रवाई करते हुए वेनेजुएला पर हमला किया और वहां के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को उनकी पत्नी समेत जबरन अमेरिका ले आई। इस घटना ने पूरी दुनिया को स्तब्ध कर दिया। लोकतंत्र, मानवाधिकार और अंतरराष्ट्रीय कानून की दुहाई देने वाले अमेरिका द्वारा किसी संप्रभु देश के राष्ट्रपति का इस तरह अपहरण किया जाना आधुनिक इतिहास की सबसे गंभीर घटनाओं में से एक है। शुरुआत में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस हमले को वेनेजुएला में कथित रूप से फल-फूल रहे 'नारकोटिक्स आतंकवाद' से जोड़ने की कोशिश की। उन्होंने दावा किया कि मादुरो शासन नशा तस्करी को संरक्षण दे रहा था। लेकिन बहुत जल्द यह स्पष्ट हो गया कि इस सैन्य कार्रवाई का असली उद्देश्य कुछ और था। दरअसल, अमेरिका की नजर वेनेजुएला के विशाल तेल भंडारों पर थी। वेनेजुएला के पास दुनिया के सबसे बड़े कच्चे तेल भंडार हैं। ट्रंप प्रशासन ने जिस तरह खुलेआम यह कहना शुरू किया कि अब वेनेजुएला का तेल अमेरिका बेचेगा और वहां की तथाकथित 'अंतरिम सरकार' को उसका सहयोग करना होगा, उससे साफ हो गया कि यह पूरी कार्रवाई संसाधनों पर कब्जे की रणनीति थी। यह अंतरराष्ट्रीय नियमों, संयुक्त राष्ट्र चार्टर और देशों की संप्रभुता का खुला उल्लंघन है। कल्पना करना कठिन था कि लोकतंत्र का स्वयंभू ठेकेदार अमेरिका किसी देश के निर्वाचित राष्ट्रपति का अपहरण

कर सकता है, लेकिन ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका ने यह असंभव भी संभव कर दिखाया। यह केवल दादागीरी नहीं, बल्कि "चोरी और सीनाजोरी" का जीवंत उदाहरण है।

अमेरिका का पुराना इतिहास: हस्तक्षेप और तख्तापलट

यह पहली बार नहीं है जब अमेरिका ने अपने संकीर्ण स्वार्थों के लिए किसी देश में सैन्य हस्तक्षेप किया हो। दूसरे विश्व युद्ध के बाद से अमेरिका ने अनेक देशों में या तो सीधे हमले किए या फिर वहां सरकारें गिराने के लिए साजिशें रचीं। लैटिन अमेरिका, एशिया और पश्चिम एशिया इसका बड़ा उदाहरण हैं। वियतनाम युद्ध में अमेरिका को करारी हार का सामना करना पड़ा। इसके बावजूद उसने सबक नहीं लिया। अफगानिस्तान में बीस वर्षों तक युद्ध लड़ने के बाद अमेरिका को बिना किसी ठोस उपलब्धि के लौटना पड़ा। इराक में 'विनाशकारी हथियारों' का बहाना बनाकर हमला किया गया, लेकिन बाद में यह दावा झूठा साबित हुआ। लीबिया में मुअम्मर गद्दाफी को हटाने के बाद वहां स्थिरता लौटने के बजाय अराजकता फैल गई। इन सभी देशों में अमेरिकी हस्तक्षेप का परिणाम अस्थिरता, गृहयुद्ध, आतंकवाद और मानवीय संकट के रूप में सामने आया। अमेरिका जहां भी गया, वहां शांति नहीं, बल्कि बर्बादी छोड़कर गया।

वेनेजुएला हमला और वैश्विक प्रतिक्रिया

वेनेजुएला पर अमेरिकी हमले की दुनिया के अनेक देशों ने कड़ी निंदा की। कई देशों ने इसे अंतरराष्ट्रीय कानून का घोर उल्लंघन बताया। हालांकि, कुछ ऐसे देश भी रहे जिन्होंने या तो ट्रंप की इस सैन्य कार्रवाई का समर्थन किया या फिर चुप्पी साधे रखी। दरअसल, अमेरिका एक बड़ी आर्थिक और सैन्य शक्ति है। यही कारण है कि अधिकांश देश एक सीमा से आगे जाकर उसका विरोध करने का साहस नहीं जुटा पाते। ट्रंप इसी वैश्विक मजबूरी का फायदा उठाकर मनमानी कर रहे हैं।

रूस-यूक्रेन युद्ध और ट्रंप की बेलगामी

ट्रंप के बेलगाम होने का एक बड़ा कारण यह भी है कि उन्हें चुनौती देने की क्षमता रखने वाला रूस इस समय यूक्रेन युद्ध में उलझा हुआ है। करीब चार साल पहले रूस ने यूक्रेन पर हमला किया था, जो उसकी अपनी मनमानी का नतीजा था। लेकिन इस युद्ध ने वैश्विक शक्ति संतुलन को प्रभावित किया। कई विश्लेषकों का मानना है कि रूस की इस कार्रवाई ने ट्रंप को भी यह संदेश दिया कि ताकत के बल पर बहुत कुछ किया जा सकता है। अब ट्रंप स्वयं को अंतरराष्ट्रीय नियम-कानूनों से ऊपर समझने लगे हैं।

ग्रीनलैंड पर कब्जे की मंशा

वेनेजुएला पर हमले के बाद ट्रंप ने डेनमार्क के स्वायत्त क्षेत्र ग्रीनलैंड पर कब्जा करने की बात शुरू कर दी। ग्रीनलैंड दुनिया का सबसे बड़ा द्वीप है और प्राकृतिक संसाधनों से भरपूर है। ट्रंप का तर्क है कि ग्रीनलैंड पर रूस और चीन की नजर है, इसलिए अमेरिकी हितों की रक्षा के लिए उसे अमेरिका का हिस्सा होना चाहिए। ग्रीनलैंड में दुर्लभ खनिज, तेल, गैस और अन्य संसाधनों का विशाल भंडार है, जिसका अभी तक बड़े पैमाने पर दोहन नहीं हुआ है। अमेरिका के भीतर यह विचार पहले भी मौजूद रहा है कि जिस तरह अलास्का उसके नियंत्रण में आया, उसी तरह ग्रीनलैंड भी अमेरिका के अधीन होना चाहिए। ट्रंप ने न केवल सैन्य कार्रवाई के संकेत दिए, बल्कि ग्रीनलैंड को 'खरीदने' तक की बात कह डाली। हालांकि ग्रीनलैंड के लोगों और डेनमार्क सरकार ने इसका कड़ा विरोध किया, लेकिन ट्रंप इन विरोधों से बेपरवाह नजर आए। उन्हें यूरोपीय देशों की नाराजगी की भी चिंता नहीं है, जबकि वे स्वयं नाटो के भविष्य को खतरे में बताते रहते हैं।

तानाशाही मानसिकता का प्रदर्शन

ट्रंप की भाषा और बयान साफ संकेत देते हैं कि वे किस तरह अहंकार से भरे हुए हैं। उनका यह कहना कि "मेरी आक्रामकता को सिर्फ मैं ही रोक सकता हूं" और अमेरिकी हितों के आगे किसी अंतरराष्ट्रीय नियम का कोई महत्व नहीं है, एक तानाशाही मानसिकता को दर्शाता है। लोकतांत्रिक मूल्यों की दुहाई देने वाला अमेरिका, ट्रंप के नेतृत्व में धीरे-धीरे एक दबंग और दमनकारी शक्ति के रूप में उभर रहा है।

आर्थिक संकट और आक्रामक रणनीति

ट्रंप की आक्रामक विदेश नीति के पीछे अमेरिकी अर्थव्यवस्था की कमजोर स्थिति भी एक बड़ा कारण है। अमेरिकी अर्थव्यवस्था लंबे समय से दबाव में है। इसे पटरी पर लाने के लिए ट्रंप ने आयातित वस्तुओं पर भारी टैरिफ लगा दिए। ट्रंप का दावा है कि उनकी टैरिफ नीति से अमेरिका की आय बढ़ी है, लेकिन वास्तविकता इससे अलग है। टैरिफ बढ़ाने से वैश्विक व्यापार प्रभावित हुआ है और कई देशों के साथ अमेरिका के संबंध खराब हुए हैं।

डॉलर के प्रभुत्व को खतरा

ट्रंप की बौखलाहट का एक बड़ा कारण डॉलर के प्रभुत्व का कमजोर होना भी है। 1970 के दशक में अमेरिका ने सऊदी अरब से समझौता किया था कि तेल का वैश्विक व्यापार डॉलर में होगा। इससे डॉलर को जबरदस्त ताकत मिली और वह दुनिया की प्रमुख मुद्रा बन गया। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में यह व्यवस्था कमजोर पड़ने लगी है। रूस, वेनेजुएला, ईरान जैसे देश अब तेल और अन्य वस्तुओं का व्यापार डॉलर के बजाय अन्य मुद्राओं में करने लगे हैं। कई देश अमेरिका की दबंगई से तंग आकर डॉलर से अलग रास्ता तलाश रहे हैं। ट्रंप को यह बिल्कुल पसंद नहीं है। उन्हें लगता है कि धमकी और दबाव के जरिए वे दुनिया को फिर से डॉलर में व्यापार करने के लिए मजबूर कर सकते हैं, लेकिन इसके उलटे नतीजे आने की पूरी संभावना है।

500 प्रतिशत टैरिफ की धमकी

हाल ही में ट्रंप ने एक ऐसे विधेयक को मंजूरी दी है, जिसके तहत रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर 500 प्रतिशत तक टैरिफ लगाया जा सकता है। इन देशों में चीन, भारत और ब्राजील प्रमुख हैं। ट्रंप का तर्क है कि रूस से तेल खरीदने वाले देश यूक्रेन के खिलाफ युद्ध जारी रखने में रूस की मदद कर रहे हैं।

स्वामी विवेकानंद के विचारों में निहित राष्ट्र निर्माण, युवा चेतना, सामाजिक समरसता और आत्मनिर्भर भारत का मार्ग

-युवा शक्ति, शिक्षा, संस्कृति और स्वाभिमान से भारत को विश्वगुरु बनाने का प्रेरक संदेश

भारत की आत्मा, उसकी चेतना और उसका वैचारिक तेज जिन महापुरुषों के माध्यम से समय-समय पर प्रकट हुआ है, उनमें स्वामी विवेकानंद का स्थान अत्यंत ऊँचा और विशिष्ट है। वे केवल एक संन्यासी या धर्मप्रचारक नहीं थे, बल्कि भारत के पुनर्जागरण के अग्रदूत, युवाओं के प्रेरणास्रोत, समाज-सुधारक और राष्ट्र-निर्माता थे। उनका संपूर्ण जीवन भारत को आत्मगौरव, आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता के मार्ग पर ले जाने के लिए समर्पित रहा।

जन्म, परिवार और प्रारंभिक जीवन

स्वामी विवेकानंद का जन्म 12 जनवरी 1863 को तत्कालीन कलकत्ता (अब कोलकाता) में हुआ। उनके पिता विश्वास नाथ दत्त प्रसिद्ध अधिवक्ता थे, जिनके व्यक्तित्व में तर्क, निर्भीकता और आधुनिक दृष्टिकोण था। माता भुवनेश्वरी देवी अत्यंत धार्मिक, संस्कारवान और करुणामयी थीं। माता-पिता के इन गुणों का समन्वय ही आगे चलकर नरेन्द्रनाथ दत्त के व्यक्तित्व में दिखाई दिया। बाल्यकाल में उनका नाम नरेन्द्रनाथ दत्त रखा गया। परिवार और मित्रों के बीच वे 'नरेन' और 'बिले' जैसे स्नेहिल नामों से पुकारे जाते थे। बचपन से ही वे असाधारण बुद्धि, तीव्र स्मरण शक्ति और प्रश्न करने की प्रवृत्ति से युक्त थे। ईश्वर, जीवन और सत्य को जानने की उत्कंठा उनके भीतर बचपन से ही विद्यमान थी।

रामकृष्ण परमहंस से दीक्षा और आध्यात्मिक यात्रा

नरेन्द्रनाथ दत्त के जीवन की दिशा तब निर्णायक रूप से बदली, जब उनका संपर्क स्वामी रामकृष्ण परमहंस से हुआ। प्रारंभ में वे तर्कवादी थे और ईश्वर के अस्तित्व पर प्रश्न उठाते थे। उन्होंने रामकृष्ण परमहंस से भी सीधे प्रश्न किया— "क्या आपने ईश्वर को देखा है?" इस पर रामकृष्ण परमहंस का उत्तर था—"हाँ, जैसे मैं तुम्हें देख रहा हूँ, वैसे ही ईश्वर को भी देखता हूँ।" यह उत्तर नरेन्द्रनाथ के जीवन का मोड़ बन गया। रामकृष्ण परमहंस से दीक्षा लेने के बाद वे पहले 'विविदिषानन्द' कहलाए और बाद में संन्यास ग्रहण कर 'स्वामी विवेकानंद' के नाम से प्रसिद्ध हुए। गुरु से उन्हें अद्वैत वेदांत, भक्ति, सेवा और मानवता की सर्वोच्च शिक्षा प्राप्त हुई।

युवा प्रणेता और राष्ट्र चेतना के वाहक

स्वामी विवेकानंद केवल आध्यात्मिक संत नहीं थे, बल्कि वे भारत की युवा पीढ़ी के महान प्रेरक थे। उन्होंने युवाओं में भारतीय स्वाभिमान, आत्मविश्वास और कर्तव्यबोध जगाने का कार्य किया। उनका मानना था कि यदि भारत को उठाना है तो सबसे पहले उसके युवाओं को उठाना होगा। उनके आह्वान से असंख्य युवकों ने अंग्रेजी दासता के विरुद्ध संघर्ष का मार्ग चुना। स्वतंत्रता आंदोलन के कई क्रांतिकारी और विचारक स्वामी विवेकानंद से प्रेरित थे। वे कहते थे— "मेरा विश्वास युवा पीढ़ी में है। इन्हीं में से राष्ट्र निर्माण के सच्चे कार्यकर्ता निकलेंगे।"

शिकागो विश्व धर्म सभा और वैश्विक पहचान

11 सितंबर 1893 को अमेरिका के शिकागो शहर में आयोजित विश्व धर्म सभा में दिया गया स्वामी विवेकानंद का भाषण भारतीय इतिहास ही नहीं, बल्कि विश्व इतिहास की एक अविस्मरणीय घटना है। यह सभा क्रिस्टोफर कोलंबस के अमेरिका पहुँचने के 400 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित की गई थी। इस आयोजन का उद्देश्य पश्चिमी भौतिक प्रगति को प्रदर्शित करना और ईसाई धर्म की श्रेष्ठता को स्थापित करना था। मिशिगन झील के चारों ओर लगी भव्य प्रदर्शनी को लाखों लोगों ने देखा। इसी मंच से स्वामी विवेकानंद ने भारत की आत्मा, उसकी सहिष्णुता और उसकी मानवतावादी दृष्टि को पूरी दुनिया के सामने रखा। जैसे ही उन्होंने अपने भाषण की शुरुआत "अमेरिका के बहनों और भाइयों" कहकर की, पूरा सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। उनके संक्षिप्त लेकिन सारगर्भित भाषण ने विश्व को भारत के धर्म, दर्शन और संस्कृति से परिचित कराया। उन्होंने बताया कि हिंदू धर्म केवल सहिष्णुता ही नहीं सिखाता, बल्कि यह मानता है कि सभी धर्म सत्य हैं और सभी मार्ग अंततः उसी परम सत्य तक पहुँचते हैं। "संपूर्ण विश्व एक परिवार है"— यह भाव उन्होंने प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया।

धार्मिक कट्टरता और मानवता को चेतावनी

स्वामी विवेकानंद ने अपने भाषण में चेतावनी दी थी कि सांप्रदायिकता, हठधर्मिता और अंधविश्वास ही मानवता को हिंसा से भरते हैं। उन्होंने कहा था कि यदि धार्मिक उत्पीड़न और पारस्परिक घृणा का अंत नहीं हुआ, तो यही सभ्यता के विनाश का कारण बनेगी। आज, जब दुनिया संसाधनों पर कब्ज़े, युद्धों, आतंकवाद और धार्मिक उन्माद से जूझ रही है, स्वामी विवेकानंद की यह चेतावनी पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक प्रतीत होती है।

अस्पृश्यता और सामाजिक कुरीतियों पर प्रहार

स्वामी विवेकानंद ने हिंदू समाज में व्याप्त कुरीतियों पर भी तीखा प्रहार किया। अस्पृश्यता को उन्होंने मानवता और ईश्वर दोनों के विरुद्ध अपराध बताया। उनके शब्द थे— "हिंदू धर्म का एक ही सिद्धांत रह गया है—मुझे मत छुओ, मुझे मत छुओ।" इस 'मत छुओवाद' ने समाज को भीतर से खोखला कर दिया है। उन्होंने समरस समाज के निर्माण का आह्वान किया। यद्यपि अनेक महापुरुषों और संस्थाओं के प्रयासों के बावजूद यह कार्य आज भी पूर्ण नहीं हो सका है, फिर भी स्वामी विवेकानंद का संदेश हमें निरंतर प्रयास की प्रेरणा देता है।

धर्मांतरण और सांस्कृतिक चेतना

स्वामी विवेकानंद धर्मांतरण के प्रश्न पर भी अत्यंत स्पष्ट थे। उन्होंने कहा था— "जब एक हिंदू अपना धर्म छोड़ता है, तब केवल एक हिंदू कम नहीं होता, बल्कि देश का एक शत्रु बढ़ जाता है।" अमेरिका में ईसाई मिशनरियों को उन्होंने चेताया था कि गरीबी और लाचारी का लाभ उठाकर, सेवा या प्रलोभन के माध्यम से किया गया धर्मांतरण सेवा नहीं, बल्कि व्यापार है। आज जब मतांतरण, लव जिहाद, भूमि जिहाद और घुसपैठ जैसे मुद्दे राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में हैं, स्वामी विवेकानंद के विचार और भी अधिक विचारणीय हो जाते हैं।

शिक्षा पर विचार और मैकाले पद्धति की आलोचना

स्वामी विवेकानंद ने लॉर्ड मैकाले की शिक्षा पद्धति की तीखी आलोचना की। उन्होंने इसे ऐसी शिक्षा बताया जो आने वाली पीढ़ियों के मन में अपनी संस्कृति, भाषा और इतिहास के प्रति हीन भावना पैदा करती है।

उनका प्रसिद्ध कथन है— "वह शिक्षा जो तुम्हें आत्मनिर्भर न बनाए, वह शिक्षा नहीं है।" वे ऐसी शिक्षा चाहते थे, जो चरित्र निर्माण करे, आत्मबल बढ़ाए और जीवन को उपयोगी बनाए।

"ग्रामीण विकास की नई कहानी: जल संरक्षण से समृद्धि की ओर"

-जल की हर बूंद सहेजने का संकल्प लेकर, मिशन अमृत सरोवर से गांवों में जागी नई चेतना

भारत एक कृषि प्रधान देश है और ग्रामीण भारत इसकी रीढ़। लेकिन बढ़ती जल समस्या ने ग्रामीण जीवन की बुनियाद को झकझोर कर रख दिया है। जल संकट ने खेती, पशुपालन और रोज़मर्रा की ज़िंदगी को प्रभावित किया है। ऐसे में यदि हम समय रहते नहीं जागे, तो आने वाली पीढ़ियों के लिए पानी एक दुर्लभ संसाधन बन जाएगा। इस गंभीर स्थिति को देखते हुए केंद्र सरकार ने "मिशन अमृत सरोवर" की शुरुआत की है, जो ग्रामीण इलाकों में जल संरक्षण के क्षेत्र में एक क्रांतिकारी पहल साबित हो रही है।

जल संकट की पृष्ठभूमि

पिछले कुछ दशकों में अनियंत्रित दोहन, वर्षा पर निर्भरता, भूजल स्तर में गिरावट और जल संसाधनों की अनदेखी के कारण भारत के अनेक ग्रामीण क्षेत्र गंभीर जल संकट से जूझ रहे हैं। जल की कमी से किसानों को खेती छोड़नी पड़ी है, जानवर प्यासे मर रहे हैं और महिलाएं घंटों पैदल चलकर पानी लाने को मजबूर हैं। भारत के कई राज्य जैसे राजस्थान, महाराष्ट्र, बुंदेलखंड (उत्तर प्रदेश-मध्य प्रदेश) और तमिलनाडु के कुछ हिस्से जल संकट की चपेट में हैं। यह संकट सिर्फ वर्तमान की समस्या नहीं है, बल्कि आने वाले कल को अंधकारमय बना सकता है, अगर हमने आज जल संरक्षण के लिए ठोस कदम नहीं उठाए।

जल संरक्षण: क्यों है जरूरी?

खेती की आत्मनिर्भरता के लिए: 60% से ज़्यादा खेती वर्षा पर निर्भर है। जल स्रोतों के सूखने से उत्पादन प्रभावित होता है। पीने के पानी की उपलब्धता: ग्रामीण क्षेत्रों में ट्यूबवेल और कुएं ही मुख्य स्रोत हैं। भूजल के गिरते स्तर से पीने का पानी दुर्लभ होता जा रहा है। पर्यावरण संतुलन के लिए: झील, तालाब और नदी जैसे जल स्रोत न केवल जीवनदायिनी हैं, बल्कि स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र को भी संबल देते हैं। स्वच्छता और स्वास्थ्य के लिए: स्वच्छ जल की कमी से बीमारियों का खतरा बढ़ता है।

मिशन अमृत सरोवर: एक परिचय

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 24 अप्रैल 2022 को राष्ट्रीय पंचायत दिवस के अवसर पर "मिशन अमृत सरोवर" की शुरुआत की गई। इसका उद्देश्य हर जिले में 75 "अमृत सरोवर" (तालाबों) का निर्माण या पुनरुद्धार करना है, ताकि जल संचयन को बढ़ावा दिया जा सके।

मुख्य लक्ष्य:

हर जिले में कम से कम 75 जलाशयों का निर्माण/पुनरुद्धार।

प्रत्येक सरोवर का आकार कम से कम एक एकड़ और जलगहराई कम से कम 10 फीट हो।

वर्ष 2023 तक 50,000 अमृत सरोवरों का निर्माण।

साझेदारी में काम करने वाले विभाग:

ग्रामीण विकास मंत्रालय

जल शक्ति मंत्रालय

पर्यावरण मंत्रालय

पंचायती राज मंत्रालय

स्थानीय प्रशासन

मिशन अमृत सरोवर के तहत हो रहे बदलाव

पुराने तालाबों का पुनर्जीवन

कई गांवों में दशकों से सूखे पड़े तालाब अब फिर से लबालब नज़र आ रहे हैं। उन्हें गहराई देकर, किनारों की मरम्मत कर और वर्षा जल को संरक्षित करने की तकनीकों से इन्हें नया जीवन मिला है।

नए जलाशयों का निर्माण

जहां जल संरक्षण के कोई स्रोत नहीं थे, वहां नए अमृत सरोवर बनाए गए। इससे न केवल जल संग्रहण संभव हुआ, बल्कि ग्रामीणों को मनरेगा के तहत रोजगार भी मिला।

सामुदायिक भागीदारी

गांव के लोगों को इस मिशन में भागीदार बनाया गया है। पंचायतें, स्वयं सहायता समूह और ग्रामीण युवा मिलकर इन सरोवरों का निर्माण कर रहे हैं। यह लोगों में स्वामित्व की भावना जगाता है।

स्थायी संरक्षण तंत्र

कई जगहों पर वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम, चेक डैम्स, पेड़-पौधे लगाकर जल स्तर बनाए रखने के उपाय किए गए हैं। इनसे जल का बहाव रोका जाता है और मिट्टी का कटाव भी कम होता है।

ग्रामीण विकास में अमृत सरोवर की भूमिका

कृषि को मिला संबल

अमृत सरोवरों ने खेतों तक सिंचाई का पानी पहुंचाया है। अब किसान दो या तीन फसलें उगा रहे हैं। यह ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत कर रहा है।

मवेशियों को राहत

पशुओं के लिए पीने के पानी की उपलब्धता बढ़ी है। पहले जहां गर्मियों में पानी के लिए मारामारी होती थी, अब तालाबों के चलते यह संकट कम हुआ है।

रोजगार के अवसर

मनरेगा के माध्यम से इन सरोवरों के निर्माण में हज़ारों लोगों को रोजगार मिला है। इससे कोरोना काल के बाद ग्रामीण इलाकों में आर्थिक संबल मिला।

जैव विविधता और हरियाली

सरोवरों के आसपास की हरियाली लौटी है। पक्षियों की चहचहाहट सुनाई देने लगी है। स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र मजबूत हो रहा है।

पर्यटन की संभावनाएं

कुछ अमृत सरोवरों को सुंदर पार्कों, बैठने की जगहों और रोशनी से सजाया गया है, जिससे स्थानीय पर्यटन को बढ़ावा मिला है।

प्रेरणादायक उदाहरण

उत्तर प्रदेश: अमेठी जिले का 'जल क्रांति'

अमेठी में 100 से अधिक अमृत सरोवर बनाए गए हैं। यहां के गांवों में अब गर्मी में भी जल संकट नहीं होता। महिलाओं को अब 2-3 किमी चलकर पानी नहीं लाना पड़ता।

राजस्थान: नागौर जिले में सूखा बना मिसाल

राजस्थान के नागौर जिले में सूखा और जल संकट आम बात थी। लेकिन मिशन अमृत सरोवर के तहत 75 से ज़्यादा जलाशयों के निर्माण से अब खेत हरे-भरे हैं और जल स्तर स्थिर है।

महाराष्ट्र: विदर्भ में हरियाली लौटी

विदर्भ के वर्धा जिले में अमृत सरोवरों की बदौलत गांवों में तालाब फिर से भरने लगे हैं। इससे आत्महत्या की कगार पर पहुंचे किसान अब फिर से खेती में लौट रहे हैं।

भविष्य की दिशा: जल संरक्षण में ग्रामीण नेतृत्व

मिशन अमृत सरोवर ने यह स्पष्ट कर दिया है कि यदि नीयत और नीति साफ हो, तो गांवों को जल संकट से उबारा जा सकता है। अब जरूरी है कि: हर गांव में वर्षा जल संचयन को अनिवार्य बनाया जाए। स्कूलों और पंचायत भवनों में जल संरक्षण की शिक्षा दी जाए। जल उपयोग में अनुशासन और सीमितता लाई जाए। अमृत सरोवरों की नियमित देखभाल के लिए ग्राम समितियों को प्रशिक्षित किया जाए।

"जल है तो जीवन है" केवल एक नारा नहीं, बल्कि भविष्य की सच्चाई है। अगर आज हम जल की हर बूंद को सहेजने का संकल्प लें, तो हमारी अगली पीढ़ी एक सुरक्षित और समृद्ध भारत में सांस ले सकेगी। मिशन अमृत सरोवर न केवल एक सरकारी योजना है, बल्कि यह गांव-गांव में जल जागरूकता की अलख जगाने वाला एक जन आंदोलन है। आइए, हम सब मिलकर इस पहल को सफल बनाएं और अपने गांवों को जल संकट से मुक्त करें।

5 फरवरी को एक दिवसीय सुन्नी इज्तिमा जयपुर में

-तालीमी बेदारी व इस्तिकबाल-ए-माहे रमज़ान मॉडर्न एजुकेशन पर होंगे व्याख्यान

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । अंजुमन मोहिब्बाने अहलेबैत के तथ्वावधान में ख्वाजा नगर, अमृतपुरी, घाटगेट जयपुर में स्थित मदरसा गुलशन-ए-हुसैन में तकमीले नाजिराह कुरआन पर एक दिवसीय तालीमी बेदारी समारोह मनाया जायेगा । जिसमें देशभर से इस्लामिक विद्वान शामिल होंगे तथा विषयवार व्याख्यान देंगे। कार्यक्रम आयोजक काज़ी-ए-अहले सुन्नत मौलाना काज़ी वली मोहम्मद शेरी खतीबो इमाम ने बताया कि 5 फरवरी को रात 8 बजे गरीब नवाज़ चौक, ट्रांसपोर्ट नगर, जयपुर में तालीमी बेदारी इज्तिमा मुफ्ती-ए-शहर जयपुर खलीफा-ए हुजूर ताजुशशरीअह हज़रत अल्लामा मुफ्ती अब्दुस सत्तार साहब राज़वी की सरपरस्ती व अता-ए-हुजूर हाफिज़-ए मिल्लत खलीफा ए हुजूर ताजुशशरीअह हज़रत अल्लामा कारी मोहम्मद एहतेराम आलम साहब अज़ीजी मिस्बाही की अध्यक्षता व खलीफा ए हुजूर शैखुल इस्लाम हजरत अल्लामा कारी ज़ाहिद हुसैन साहब नूरी व हज़रत अल्लामा गुलाम मोइनुद्दीन कादरी की कियादत में होगा। जिसमें मुख्य अतिथि इस्लामी स्कॉलर हज़रत मौलाना सैय्यद सुल्तान चिश्ती साहब अजमेर-ए-मोअल्ला व हज़रत अल्लामा मौलाना मोहम्मद फज़्ले हक पूर्व चेयरमैन मदरसा बोर्ड राजस्थान व हज़रत अल्लामा मौलाना अंसारूल कादरी साहब (अजमेर शरीफ) हुजूर की सीरत व अता-ए-रसूल ख्वाजा गरीब नवाज़ की जीवनी पर विस्तार से विचार व्यक्त करते हुए उनके जीवन यापन सुन्नत तरीके एवं व्यवहारिक जिंदगी के बारे में बताते हुए उपस्थित विशाल जन समूह को संबोधित करेंगे व हज़रत मौलाना सद्दाम हुसैन साहब राज़वी बरेली शरीफ व इस्लामी स्कॉलर हज़रत मौलाना मुफ्ती हैदर अली मदनी दारूल इफ्ता अहले सुन्नत मुम्बई व हज़रत मौलाना सैय्यद मोहम्मद कादरी व हज़रत मौलाना सैय्यद शेर अली साहब मदनी व हज़रत मौलाना गुलाम रब्बानी राज़वी व हज़रत मौलाना मुफ्ती इरफान मरकज़ी व अज़ीज़म मौलाना मोहम्मद सुफियान अत्तारी, अजमते कुरआन, फज़ाइले माहे रमज़ान, इस्लाम की बुनयादी व अखलाकी तालीम के साथ-साथ समाज में मॉडर्न एजुकेशन पर विस्तार से रौशनी डालेंगे। वार्ड नम्बर 88 के पार्षद रईस कुरैशी ने बताया कि अलहम्दुलिल्लाह इस मुबारक मौके पर मदरसा गुलशन-ए-हुसैन में ज़ेरे तालीम-11 तलबा व तालिबात ने तकमीले नाज़िराह कुरआन-ए-मजीद किया है। जिसमे अज़ीज़ा रिदा फातिमह बिनते मोहम्मद इरफान अंसारी ने 6 साल की उमर में तजवीद व मखारिज के साथ नाजिराह कुरआन-ए-पाक मुकम्मल किया व हाजी अब्दुल हमीद साहब नूरी, हाजी मोहम्मद जावेद साहब अंसारी, हाजी अब्दुल अज़ीज़ साहब मंसूरी, मोहम्मद अनस अंसारी, मोहम्मद आरिफ अंसारी व मोहम्मद शाहिद खान नेताजी ने बताया कि अंजुमन मोहिब्बाने अहलेबैत की जानिब से इन सबको इनआमात से नवाज़ा जायेगा। इस सुन्नी इज्तिमा का सलातो सलाम व खुसूसी दुआ के साथ समापन होगा।

राजस्थान रेडियेशन टेक्नोलॉजिस्ट एसोसिएशन RRTA की प्रदेश कार्यकारिणी का विस्तार

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान रेडियेशन टेक्नोलॉजिस्ट एसोसिएशन (RRTA) के प्रदेश अध्यक्ष अनिल कुमार कुमावत एवं महासचिव दुर्गेश सैन ने प्रदेश कार्यकारिणी का विस्तार किया है। जवाहर लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज अजमेर से सेवानिवृत अधीक्षक रेडियोग्राफर देवेंद्र सिंह जाराजस्थान रेडियेशन टेक्नोलॉजिस्ट एसोसिएशन RRTA की प्रदेश कार्यकारिणी का विस्तार दौन को मुख्य संरक्षक, कोटा मेडिकल कॉलेज से सेवानिवृत अधीक्षक रेडियोग्राफर उजागर सिंह, उदयपुर में कार्यरत अधीक्षक रेडियोग्राफर मनोज सक्सेना, कोटा मेडिकल कॉलेज से सेवानिवृत वरिष्ठ रेडियोग्राफर प्रर्मिल चतुर्वेदी, जिला चिकित्सालय ब्यावर से सेवानिवृत अधीक्षक रेडियोग्राफर श्यामसिंह चौहान, झुंझुनूं से सेवानिवृत अधीक्षक रेडियोग्राफर कृष्णकुमार बुडानिया एवं जिला चिकित्सालय धौलपुर में कार्यरत अधीक्षक रेडियोग्राफर राजकुमार शर्मा को वरिष्ठ सलाहकार मनोनीत किया है। वरिष्ठ रेडियोग्राफर वकी अहमद को मुख्य प्रदेश प्रवक्ता एवं मीडिया प्रभारी मनोनीत किया है। कोटा से महेश दुबे, जयपुर से भवानीशंकर कुमावत, भरतपुर से सोनवीर कुंतल, राजसमंद से प्रिंस जोशी को प्रदेश प्रवक्ता बनाया है। जयपुर से राकेश कुमार शर्मा को कोषाध्यक्ष एवं गजानंद माचिवाल को सह कोषाध्यक्ष मनोनीत किया गया है। महिला संघटन मंत्री के रूप में धौलपुर से ऋतु गोयल की नियुक्ति की गई है। वही प्रदेश उपाध्यक्ष पद पर धौलपुर से सुरेश मीना, जयपुर से दिनेश मीना, अलवर से अजय तिवाड़ी, अजमेर से नितेश उदय, उदयपुर से राजेंद्र मीना, डूंगरपुर से धनपाल पाटीदार, बांसवाड़ा से सुरेंद्र कुमार की नियुक्ति की गई है। वहीं धौलपुर से राजकुमार दिवाकर, कोटा से मुकेश सामरिया, जयपुर से राकेश कुमार दंडोतिया, उदयपुर से जितेंद्र कुमावत, श्रीगंगानगर से हरप्रीत सिद्धू, सीकर से विनोद कुमावत, किशनगढ़ से सेवन कुमार को संघटन मंत्री पद पर मनोनीत किया गया है। प्रदेश सचिव पद पर कोटा से सुरेश मीना, उदयपुर से पुनीत कश्यप, सवाई माधोपुर से राहुल करसोलिया, करौली से शिव सागर मीना, ब्यावर से दीपक मेहरात, अजमेर से जुम्मन दीन एवं कृष्णकुमार वर्मा का मनोनयन हुआ है। इसी प्रकार प्रदेश सयुक्त सचिव पद पर जयपुर से देवनाथ त्यागी, अलवर से योगेश यादव, बीकानेर से शहनाज आलम, कोटा से लालचंद कछावा, धौलपुर से त्रिवेंद्र सिंघल, सवाई माधोपुर से प्रदीप गौतम, दौसा से कार्तिक सैनी की नियुक्ति हुई है। प्रदेश अध्यक्ष अनिल कुमार कुमावत, महासचिव दुर्गेश सैन एवं मुख्य प्रदेश प्रवक्ता एवं मीडिया प्रभारी वकी अहमद सभी नव नियुक्त पदाधिकारियों को सभी के मनोनयन पर शुभकामनाएं एवं संघटन हित में पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी से काम करने की प्रेरणा दी ।

15 जनवरी को आयोजन होगा "आर्मी डे परेड"

-परेड क्षेत्र में वाहनों की रहेगी नो एंट्री

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। गुलाबी नगरी जयपुर में पहली बार आयोजित हो रही आर्मी डे परेड (Army Day Parade) को लेकर जयपुर पुलिस पूरी तरह मुस्तैद है। पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने एक प्रेसवार्ता कर शहर की यातायात व्यवस्था को लेकर अहम जानकारी दी। कमिश्नर मित्तल ने बताया कि 15 जनवरी को जगतपुरा स्थित महल रोड (Mahal Road) पर सेना के शौर्य का प्रदर्शन होगा। सुरक्षा और परेड के सुचारू संचालन को देखते हुए इस मार्ग पर सुबह 5 बजे से दोपहर 1 बजे तक आम वाहनों के लिए यातायात पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। ट्रैफिक एडवाइजरी जारी: पुलिस कमिश्नर ने आमजन से अपील की है कि वे 15 जनवरी को इस समय के दौरान महल रोड की ओर जाने से बचें और वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करें। उन्होंने कहा कि यह आयोजन जयपुर के लिए गर्व का विषय है, इसलिए जनता पुलिस का सहयोग करे ताकि कार्यक्रम भव्यता के साथ संपन्न हो सके।

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की बगरू में बैठक

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । बगरू जयपुर में महिंद्रा ऐंड महिंद्रा कंपनी की शाखा यूनियन में रविवार 11जनवरी को मीटिंग आयोजित की गई । जिसमें कामरेड प्रेमजी को 2 मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई । बगरू जयपुर में महिंद्रा एण्ड महिंद्रा कंपनी की शाखा यूनिट यूनियन के सेक्रेटरी सीताराम चौपड़ा ने भारतीय जनता पार्टी की सरकार द्वारा चार नए बनाऐ काले कानूनों के बारे में यूनियन के सदस्यों से चर्चा की । मीटिंग में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी जयपुर शहर सचिव नईमुद्दीन आकिल तथा NFIW की कार्यकारी अध्यक्ष मीनाक्षी बिंदोरिया और ऑल इंडिया तंजीमें इंसाफ जयपुर शहर के महासचिव अब्दुल अंसार एडवोकेट ने मीटिंग में भाग लिया।

चार दरवाजा में हार्डवेयर दुकान में लगी भीषण आग

-दुकान में अचानक लगी आग, लाखों का सामान जलकर हुआ खाक

-5 दमकल गाड़ियों ने पाया आग पर काबू,शॉर्ट सर्किट माना जा रहा आग का कारण

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजधानी जयपुर के रामगंज थाना इलाके के घोड़ा निकास रोड स्थित एक हार्डवेयर की दुकान में 8 जनवरी को अचानक भीषण आग लग गई। आग इतनी भयावह थी कि दुकान में रखा लाखों रुपये का सामान जलकर पूरी तरह खाक हो गया। स्थानीय लोगों ने जब दुकान से धुआं उठता देखा, तो तुरंत दुकानदार इरफान को सूचना दी। सूचना मिलते ही इरफान मौके पर पहुंचे और जैसे ही शटर खोला, अंदर से आग की लपटें निकलती दिखाई दीं। घबराए दुकानदार ने तुरंत दमकल विभाग और रामगंज थाना पुलिस को सूचना दी। मौके पर दमकल विभाग की करीब पांच गाड़ियां पहुंचीं और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। काफी देर तक इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। दुकानदार इरफान का कहना है— "मेरी दुकान में लाखों का माल था, सब कुछ जलकर खाक हो गया। दुकान के अंदर और बाहर सीसीटीवी कैमरे लगे हुए हैं।" प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है।वहीं घटना की सूचना मिलते ही एसीपी रामगंज आदित्य पुनिया मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का जायजा लिया। फिलहाल पुलिस हर पहलू से मामले की जांच में जुटी हुई है। आग से हुए नुकसान का आंकलन किया जा रहा है।

कुंडों का त्यौहार सामाजिक एकता और धार्मिक आस्था का प्रतीक है- पठान

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। काँग्रेसी नेता नदीम खान पठान ने कहा कि कुंडों का त्यौहार मुस्लिम समुदाय द्वारा मनाया जाने वाला एक महत्वपूर्ण त्योहार है, जो हजरत इमाम जाफ़र सादिक़ (अ.) की याद में मनाया जाता है। इस त्योहार में मिट्टी के कुंडे (बर्तन) में खीर, पूड़ी और मीठी टिकिया भरकर फातिहा दिलाई जाती है और मन्नतें माँगी जाती हैं, खासकर बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए।

इस त्योहार के मुख्य बिंदु:

कब मनाया जाता है- इस्लामी कैलेंडर के रजब महीने की 22 तारीख को। क्यों मनाया जाता है: हजरत इमाम जाफ़र सादिक़ (अ.) की याद में, उनकी दुआओं से मुरादें पूरी होने की मान्यता के कारण। क्या किया जाता है: मिट्टी के कुंडे (बर्तन) खरीदे जाते हैं, कुंडे में खीर, पूड़ी, मीठी टिकिया और अन्य मिठाई भरकर रखी जाती है, फाजर (सुबह की नमाज) के बाद कुंडे पर फातिहा दिलाई जाती है और दुआ मांगी जाती है।

महत्व- यह आस्था का एक महत्वपूर्ण पर्व है जो विशेषकर लड़कों के उज्ज्वल भविष्य के लिए मन्नतें मांगने से जुड़ा है। यह त्योहार सामाजिक एकता और धार्मिक आस्था का प्रतीक है, जिसमें लोग अपने घरों को सजाते हैं और मिठाइयों का प्रसाद बांटते हैं।

एक दिवसीय नि:शुल्क चिकित्सा शिविर लगाया

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। भारतीय इलेक्ट्रोहोम्योपैथिक चिकित्सक मंच BECM ने डॉ. काउन्ट सीजर मैटी का 217 वाँ जन्मदिन मनाया । इलेक्ट्रोहोम्योपैथी निः शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन सत्कार शॉपिंग सेंटर, दुकान नम्वर 6, मालवीय नगर जयपुर में किया गया।

इस कार्यक्रम मे 50 रोगीयो ने स्वास्थ्य लाभ प्राप्त किया तथा सभी को निःशुल्क दवा दी गई, इस शिविर में डॉ. पी् एन व्यास, डॉ. शब्बीर खान, वैद्य हितेष दीक्षित, डॉ. विजेन्दर तथा डॉ. वैभव श्रीवास्तव आदि ने सेवाये दी । डॉ. शब्बीर खान प्रदेश अध्यक्ष भारतीय इलेक्ट्रोहोम्योपैथिक चिकित्सक मंच BECM ने बताया की BECM ने पूरे राजस्थान में नि:शुल्क 217 केम्प के आयोजन का लक्ष्य रखा है अत: हम उसे पूर्ण करने का प्रयास करेगे तथा जो ज्यादा से ज्यादा केम्प का आयोजन करेगा उसको सम्मानित करेंगे ।

हज़रत मखदूम फ़य्याज़ुल हसन साहब का 87वां उर्स मुबारक

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । जयपुर के एहले मोहल्ला पन्नीगरान में शेखुल मशइख कुतबैदौरा हज़रत मखदूम फ़य्याजुल हसन साहब, उस्मानी, अल जलाली चिश्ती, साबरी, कैरानवी, पानीपती, रहमतुल्ला अलैह का 87वां उर्स मुबारक बरोज़ पीर 12 जनवरी को शुरू हुआ। रात 10 बजे महफिले मीलाद शरीफ़ व नातिया मुशायरा हुआ। बरोज़ मंगल 13 जनवरी को सुबह नमाज़ बाद कुरआनखानी, रात 10 बजे महफिले कव्वाली, बरोज़ बुध को सुबह नमाज़ बाद कुरआनखानी, रात 10 बजे महफिले समां और बरोज़ जुमेरात सुबह 10 बजे कुल शरीफ़ व लंगर का प्रोग्राम रखा गया है।

जयपुर ऑडी हादसा: अमीरों की रफ्तार, गरीबों की जान

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। पत्रकार कॉलोनी थाना क्षेत्र में शुक्रवार रात हुआ दर्दनाक सड़क हादसा दिल दहला देने वाला है। तेज रफ्तार लग्ज़री ऑडी कार द्वारा सड़क किनारे खड़े ठेलों और झोंपड़ियों को रौंद दिया जाना हमारी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है। इस हादसे में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत और 15 से अधिक लोगों का गंभीर रूप से घायल होना अत्यंत दुखद और निंदनीय है।

SDPI मांग करती है-

आरोपी चालक को तत्काल गिरफ्तार कर सख़्त से सख़्त कार्रवाई की जाए, मृतक परिवार को उचित मुआवज़ा दिया जाए, सभी घायलों का निःशुल्क और बेहतर इलाज सुनिश्चित किया जाए, शहर में तेज रफ्तार और नशे में वाहन चलाने पर कड़ी निगरानी हो, यह कोई "दुर्घटना" नहीं, बल्कि लापरवाही और सिस्टम की नाकामी का नतीजा है। गरीबों की जान की कीमत आखिर कब समझी जाएगी? SDPI पीड़ितों के साथ खड़ी है और न्याय मिलने तक आवाज़ उठाती रहेगी।

-मोहम्मद ख़ालिद जिला अध्यक्ष, SDPI जयपुर

जनकल्याणकारी योजनाओं की जमीनी हकीकत परखने फील्ड में उतरा जिला प्रशासन

-जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देश पर फील्ड में उतरे अधिकारी

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए जयपुर जिला प्रशासन सतत् रूप से सक्रिय है। इसी क्रम में जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देशानुसार शनिवार को जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों ने फील्ड में उतरकर विभिन्न व्यवस्थाओं का व्यापक निरीक्षण किया। निरीक्षण अभियान के तहत उपखण्ड अधिकारियों, तहसीलदारों सहित अन्य वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों ने अपने-अपने क्षेत्रों का दौरा कर स्वास्थ्य सेवाओं, सामाजिक सरोकार से जुड़ी योजनाओं तथा विकसित भारत–रोज़गार और आजीविका के लिए गारंटी मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत संचालित कार्यों की वास्तविक स्थिति का गहन आकलन किया। अधिकारियों द्वारा आयुष्मान आरोग्य मंदिर एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान चिकित्सा अधिकारियों एवं स्टाफ की उपस्थिति, दवाओं की उपलब्धता, जांच सुविधाएं, आवश्यक चिकित्सकीय उपकरण, साफ-सफाई, पेयजल एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं की विस्तार से समीक्षा की गई। अधिकारियों ने उपचाररत मरीजों एवं उनके परिजनों से संवाद कर स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता को लेकर फीडबैक भी लिया तथा पाई गई कमियों को शीघ्र दूर करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। जिला कलक्टर के निर्देशों की अनुपालना में अधिकारियों ने विकसित भारत–रोज़गार और आजीविका के लिए गारंटी मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत जारी कार्यों का मौके पर निरीक्षण कर उनकी प्रगति, गुणवत्ता एवं समयबद्ध क्रियान्वयन की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान संबंधित कार्मिकों को कार्यों में पारदर्शिता, उच्च गुणवत्ता एवं गति बनाए रखने के स्पष्ट निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने अपने-अपने उपखण्डों में गैर-सरकारी संगठनों तथा विद्यालय प्रबंधन समितियों के साथ बैठकें भी आयोजित कीं। बैठकों में आगामी सेना दिवस परेड में अधिक से अधिक नागरिकों एवं विद्यार्थियों की सहभागिता सुनिश्चित करने पर चर्चा की गई। अधिकारियों ने आमजन से इस अभूतपूर्व आयोजन में सक्रिय सहभागिता निभाने की अपील की। निरीक्षण उपरांत सभी अधिकारियों द्वारा निर्धारित प्रारूप में अपनी-अपनी निरीक्षण रिपोर्ट जिला कलक्टर को प्रस्तुत की गई है। इन रिपोर्ट्स के आधार पर आवश्यक सुधारात्मक कदम एवं प्रशासनिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी, ताकि आमजन को समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण एवं संवेदनशील सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकें। कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

जयपुर में 1500 से ज्यादा राहें हुईं आसान...राहत का दूसरा नाम बना रास्ता खोलो अभियान

- महज 14 महीनों से भी कम समय में खुला लाखों ग्रामीणों के लिए राहत का रास्ता

- फागी अव्वल...सर्वाधिक 136 रास्ते खुलवाए, मौजमाबाद में प्रशासन ने खुलवाए 120 रास्ते

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर जिले में संचालित 'रास्ता खोलो अभियान' अब ग्रामीणों एवं किसानों के लिए राहत का प्रतीक बन गया है। प्रशासन की संवेदनशील पहल से महज 14 महीनों से भी कम समय में जिले में वर्षों से बंद पड़े 1,508 रास्ते खुलवाए गए, जिससे लाखों ग्रामीणों की खेतों, ढाणियों और गांवों तक पहुंच सुगम हुई है। रास्ता खोलो अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन और अधिक से अधिक आमजन को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी स्वयं अभियान की निरंतर मॉनिटरिंग कर रहे हैं। प्रशासन की सक्रियता और संवाद आधारित रणनीति के चलते कई वर्षों पुराने विवादों का समाधान सहमति एवं समझाइश से किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत फागी तहसील अव्वल रही, जहां सर्वाधिक 136 रास्ते खुलवाए गए। वहीं मौजमाबाद तहसील में 120 रास्ते खुलवाकर ग्रामीणों को बड़ी राहत प्रदान की गई। अभियान के नोडल अधिकारी एवं अतिरिक्त जिला कलक्टर आशीष कुमार ने बताया कि जिला कलक्टर के निर्देशन में प्रत्येक तहसील में हर सप्ताह न्यूनतम 3 रास्ते खुलवाने का लक्ष्य तय किया गया है। इसी के तहत सहमति और समझाइश से गांवों, खेतों और ढाणियों के वर्षों से अवरुद्ध रास्तों को खोला जा रहा है। उन्होंने बताया कि 15 नवम्बर 2024 से 10 जनवरी 2026 की अवधि में रास्ता खोलो अभियान के तहत फागी तहसील में सर्वाधिक 136 रास्ते खुलवाए गए। इसके पश्चात मौजमाबाद तहसील में 120, आंधी में 101, चौमूं में 91, शाहपुरा में 86, आमेर एवं जमवारामगढ़ में 80–80, दूदू में 78, माधोराजपुरा में 76, जोबनेर में 74, रामपुरा–डाबड़ी में 72, फुलेरा में 81, चाकसू में 82 रास्ते खुलवाए गए हैं। वहीं, बस्सी में 77, किशनगढ़–रेनवाल में 65, कोटखावदा में 63, जालसू में 57, तूंगा में 50, सांगानेर में 27, कालवाड़ में 8 तथा जयपुर तहसील में 4 रास्ते खुलवाए गए हैं, जिससे जिले में वर्षों से अवरुद्ध आवागमन मार्ग पुनः सुचारु हुए हैं और ग्रामीणों को सीधी राहत मिली है, जिससे जिले में आवागमन सुगम होने के साथ-साथ ग्रामीणों और किसानों को सीधा लाभ मिला है। आशीष कुमार ने बताया कि जिला कलक्टर ने रास्ते खुलने के पश्चात ग्रेवल एवं सीसी रोड निर्माण कार्य भी शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश दिए हैं। इन निर्देशों की अनुपालना में अब तक 300 किलोमीटर से अधिक ग्रेवल रोड एवं 20 किलोमीटर से अधिक सीसी रोड का निर्माण कराया जा चुका है। न्यायालय में विचाराधीन प्रकरणों में परिवादियों को संबंधित न्यायालय से ही समाधान प्राप्त होगा। ग्रामीण क्षेत्रों में रास्तों पर अतिक्रमण को लेकर जनसुनवाई एवं न्यायालयों में बड़ी संख्या में परिवाद सामने आते रहे हैं, जिससे आमजन को अनावश्यक रूप से समय, धन और संसाधनों की हानि होती थी तथा कानून व्यवस्था भी प्रभावित होती थी। इन्हीं समस्याओं के स्थायी समाधान के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने 'रास्ता खोलो अभियान' की शुरुआत की, जो अब जनविश्वास और प्रशासनिक संवेदनशीलता का सफल मॉडल बनकर उभरा है।

भारत माता कॉलेज में स्वामी विवेकानंद जयंती पर राष्ट्रीय युवा दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया

शब्बीर हुसैन

किशनगंज (रॉयल पत्रिका)। भारत माता कॉलेज में सोमवार 12 जनवरी को स्वामी विवेकानंद की जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय युवा दिवस श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में युवाओं को स्वामी विवेकानंद के विचारों से प्रेरित करने पर विशेष जोर दिया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता अरविंद चौधरी, विभाग संगठन मंत्री, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने कहा कि स्वामी विवेकानंद के विचार आज के युवाओं के लिए मार्गदर्शक हैं। उन्होंने युवाओं से आत्मविश्वास, अनुशासन और राष्ट्रसेवा को अपने जीवन का लक्ष्य बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए डॉ. अरमान मलिक, निदेशक, भारत माता कॉलेज ने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने युवाओं को शक्ति, साहस और चरित्र निर्माण का संदेश दिया। यदि युवा उनके आदर्शों को अपनाएं तो देश का भविष्य उज्ज्वल हो सकता है। विशिष्ट अतिथि के रूप में राजकीय महाविद्यालय बारां के पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष जुगल मीणा ने अपने विचार रखते हुए युवाओं को शिक्षा के साथ सामाजिक जिम्मेदारियों को निभाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में रिया सक्सेना एवं राकेश शिवहरे ने भी अपने विचार साझा किए। इस अवसर पर भारत माता कॉलेज के छात्र-छात्राओं की सक्रिय सहभागिता रही। कार्यक्रम का समापन स्वामी विवेकानंद के विचारों को आत्मसात करने और उन्हें जीवन में उतारने के संकल्प के साथ किया गया।

बीकानेर सीएचसी परिसर की खुदाई में निकले 1400 जिंदा कारतूस, पुलिस और आर्मी इंटेलिजेंस अलर्ट

विनोद सोखल

बीकानेर (रॉयल पत्रिका)। बीकानेर जिले के महाजन कस्बे में शनिवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) परिसर में चल रहे निर्माण कार्य के दौरान जमीन की खुदाई में करीब 1400 जिंदा कारतूस बरामद हुए। कारतूस रेत में दबे हुए एक प्लास्टिक बैग में मिले, जिन्हें देख मौके पर मौजूद मजदूरों के होश उड़ गए।

ट्रैक्टर की खुदाई में हुआ खुलासा-

जानकारी के अनुसार सीएचसी परिसर में जमीन समतल करने के लिए ट्रैक्टर चलाया जा रहा था। इसी दौरान ट्रैक्टर के हुक में एक प्लास्टिक का बैग अटक गया। मजदूरों ने जब बैग खोलकर देखा तो उसमें बड़ी संख्या में जिंदा कारतूस भरे हुए थे। तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी गई।

पुलिस ने संभाला मोर्चा, इलाका किया सुरक्षित-

सूचना मिलते ही महाजन थाना पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे क्षेत्र को घेराबंदी कर सुरक्षित किया। बरामद सभी कारतूसों को जब्त कर लिया गया है। शुरुआती जांच में कारतूस लंबे समय से जमीन में दबे होने की आशंका जताई जा रही है।

आर्मी इंटेलिजेंस भी मौके पर पहुंची-

मामले की गंभीरता को देखते हुए आर्मी इंटेलिजेंस टीम भी घटनास्थल पर पहुंची और बरामद कारतूसों का निरीक्षण कर रिपोर्ट तैयार की। कारतूस किस हथियार के हैं, कब और किसने यहां छिपाए—इन सभी बिंदुओं पर जांच की जा रही है। जांच में जुटी एजेंसिया फिलहाल पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि इतनी बड़ी संख्या में जिंदा कारतूस अस्पताल परिसर में कैसे और क्यों दबाए गए। मामले को सुरक्षा से जोड़कर भी देखा जा रहा है। महाजन में मिले कारतूसों की यह बरामदगी कई सवाल खड़े कर रही है, जिनके जवाब जांच के बाद सामने आएंगे।

महवा में एक विशाल भंडारे का आयोजन: भाईचारे का अनोखा प्रतीक

-हजारों भक्तों ने पंक्ति में बैठकर प्रसादी पाई, सांस्कृतिक प्रोग्राम ने बांधा समा

शफीक अली

महवा/ दौसा (रॉयल पत्रिका)। महवा में मंडावर रोड स्थित पेट्रोल पंप के सामने आमजन के सहयोग से एक विशाल भंडारा का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों भक्तों ने पंक्ति में बैठकर प्रसादी पाई। कार्यक्रम सुबह 11:00 से चालू हुआ और शाम तक चला, जिसमें प्रसादी पाने वाले लोगों ने कार्य की सराहना की।इस भंडारे में सांस्कृतिक प्रोग्राम भी आयोजित किया गया, कार्यक्रम का आयोजन आमजन के सहयोग से किया गया था, जिसमें सभी समुदायों के लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया यह कार्यक्रम भाईचारे का एक अनोखा प्रतीक बना, जहां सभी लोग एक साथ बैठकर प्रसादी पाते हैं और आपसी प्रेम और सौहार्द का संदेश देते हैं। कार्यक्रम के आयोजकों ने कहा कि उनका उद्देश्य लोगों को एक साथ लाना और समाज में भाईचारे की भावना को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम की सराहना की और कहा कि यह कार्यक्रम उनके लिए एक यादगार अनुभव रहा। महवा शहर के लोगों ने इस कार्यक्रम में काम करने वाले सभी लोगों को धन्यवाद दिया और कहा कि यह कार्यक्रम समाज में भाईचारे की भावना को बढ़ावा देने में मदद करेगा।

09 किलोग्राम अवैध डोडा पोस्त चूरा सहित ट्रेलर जब्त कर एक आरोपी गिरफ्तार

चूरू/दुधवाखारा (रॉयल पत्रिका)। जिला पुलिस अधीक्षक जय यादव आईपीएस ने बताया कि महानिरीक्षक महोदय बीकानेर रेंज बीकानेर द्वारा नशाखोरी पर प्रभावी नियंत्रण एवं उन्मूलन के लिये अवैध मादक पदार्थ एंव अवैध आर्म्स के खिलाफ कार्यवाही करने हेतु विशेष अभियान एवं एरिया डॉमिनेशन अभियान चलाया जा रहा है जिसके तहत जिला चूरू में अधिक से अधिक कार्यवाही करने हेतु निर्देश जारी किये गये है। जिसके कम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चूरू सुनिल कुमार आरपीएस के निर्देशन व पुलिस उप अधीक्षक चूरू सुनिल कुमार झाझडिया आरपीएस के सुपरविजन में महेन्द्र कुमार पुनि थानाधिकारी पुलिस थाना दुधवाखारा के नेतृत्व में थाना टीम ने 10 जनवरी.2026 को नाकाबंदी प्वाईंट एनएच 52 रोही सिरसला पर दौराने नाकाबंदी एक ट्रेलर नम्बर एच पी 12 एस 5581 में मुलजिम लक्ष्मण सिह पुत्र सुरज नारायण जाति राजपुत उम्र 37 साल निवासी बैसनपुरवा, पोस्ट ऐलो, जिला बहराईच उतरप्रदेश के कब्जा से 09 किलोग्राम अवैध डोडा पोस्त चूरा मय ट्रक ट्रेलर जब्त कर अभियोग संख्या 03/2026 धारा 8/15 एनडीपीएस एक्ट में दर्ज किया गया। उक्त प्रकरण का अनुसंधान रामनिवास पुनि थानाधिकारी पुलिस थाना रतननगर जिला चूरू द्वारा किया जा रहा है।

बींझबायला में सरस्वती शिक्षण समूह ने धूमधाम से मनाई लोहड़ी

विनोद सोखल

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। बींझबायला स्थित सरस्वती शिक्षण समूह में आज हर्षोल्लास के साथ लोहड़ी त्योहार मनाया गया। छात्रों, शिक्षकों और स्टाफ ने मिलकर इस पारंपरिक फसल उत्सव को पूरे उत्साह के साथ मनाया। कार्यक्रम की शुरुआत होली की अलाव के चारों ओर परंपरागत नृत्य और गीतों से हुई। बच्चे उत्साह से रेवड़ी, गज्जक, मूंगफली और तिल को आग में अर्पित करते हुए ठंड को मात देते नजर आए। संस्था के प्रबंधक अनिल खालिया ने अपने संबोधन में लोहड़ी के महत्व को बताते हुए कहा कि यह त्योहार न केवल फसल की खुशी का प्रतीक है, बल्कि नए संकल्पों और सकारात्मक ऊर्जा का भी प्रतीक है। उन्होंने बच्चों को अच्छे संस्कारों और मेहनत से आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। सह-प्रबंधिका श्रीमती अन्नपूर्णा न्योल ने अपनी मधुर वाणी में सभी छात्रों को लोहड़ी की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पर्व परिवार, प्रेम और एकता का संदेश देता है। उन्होंने बच्चों से अच्छे व्यवहार और पढ़ाई में निरंतरता बनाए रखने का आह्वान किया। यह उत्सव पूरे सस्था परिसर में खुशियों और रंगों से भर गया। सरस्वती शिक्षण समूह परिवार ने इस त्योहार के माध्यम से बच्चों में सांस्कृतिक मूल्यों को जीवंत रखने का सुंदर प्रयास किया।

लक्ष्मणगढ़ के आंतरोली–कसवाली मार्ग पर पिकअप पलटी, 10 लोग घायल, 3 सीकर रैफर

लक्ष्मणगढ़/सीकर (रॉयल पत्रिका)। लक्ष्मणगढ़ उपखंड क्षेत्र के आंतरोली ओर कसवाली गांव के पास अनियंत्रित होकर पिकअप गाड़ी पलट गई जिससे पिकअप गाड़ी में सवार 10 जने घायल हो गए जिन्हें लक्ष्मणगढ़ के जिला अस्पताल में लाया गया जहां से गम्भीर रूप से घायल 3 जनों को सीकर रैफर किया गया। पिकअप गाड़ी लक्ष्मणगढ़ से बलारां गांव जा रही थी इसी दौरान आंतरोली ओर कसवाली गांव के पिकअप गाड़ी पलट गई जिससे पिकअप गाड़ी में सवार बलारां निवासी 10 जने घायल हुए जिन्हें 108 एम्बुलेंस गाड़ी की सहायता से लक्ष्मणगढ़ जिला अस्पताल में लाया गया जहां से गम्भीर रूप से घायल परवेज, साहिल व अपरान को सीकर रैफर किया।

मनरेगा में बदलाव के विरोध में कांग्रेस का एक दिवसीय उपवास

-गांधी चौक पर दिया सरकार को चेतावनी

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। मनरेगा योजना में किए जा रहे कथित बदलावों के विरोध में श्रीगंगानगर कांग्रेस की ओर से आज गांधी चौक पर एक दिवसीय उपवास रखा गया। यह उपवास जिला कांग्रेस अध्यक्ष एवं विधायक रूपेंद्र सिंह कुन्नर के नेतृत्व में आयोजित किया गया। उपवास कार्यक्रम की शुरुआत गोलबाजार स्थित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर की गई। इस दौरान कांग्रेस नेताओं ने महात्मा गांधी के सिद्धांतों को याद करते हुए मजदूरों और ग्रामीण गरीबों के अधिकारों की रक्षा का संकल्प लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक रूपेंद्र सिंह कुन्नर ने कहा कि केंद्र व राज्य सरकारें मनरेगा योजना को धीरे-धीरे कमजोर कर बंद करने की साजिश रच रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि मजदूरों को समय पर काम और भुगतान नहीं मिल रहा, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था प्रभावित हो रही है। कुन्नर ने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर मनरेगा से छेड़छाड़ बंद नहीं की गई तो कांग्रेस सड़क से सदन तक संघर्ष करेगी। उपवास में विधायक डूंगर राम, विधायक सोहनलाल, जिला प्रमुख दुलराम, पूर्व जिलाध्यक्ष अंकुर मिगलानी, पीसीसी सदस्य विकास गौड़, अनूप बाजवा, हनुमान पूनिया सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता और पदाधिकारी मौजूद रहे। कांग्रेस नेताओं ने एक स्वर में कहा कि मनरेगा गरीब, किसान और मजदूरों की जीवनरेखा है, और इसके अधिकारों से किसी भी प्रकार का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

मनरेगा के मूल स्वरूप में परिवर्तन के विरोध में कांग्रेसजनो किया उपवास

मोहम्मद यासीन

पाली (रॉयल पत्रिका)। केंद्र सरकार की ओर से महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के मूल स्वरूप में परिवर्तन के प्रस्ताव के विरोध में कांग्रेस ने राष्ट्रीयव्यापी आंदोलन का ऐलान किया है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के आह्वान पर एवं प्रदेश कांग्रेस के निर्देश पर पाली जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा रविवार को जिला कलेक्ट्रेट कार्यालय परिसर के बाहर उपवास एवं शांतिपूर्ण तरीके से सांकेतिक धरना दिया गया। धरने व उपवास कार्यक्रम के पश्चात पाली जिला कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष शिशुपाल सिंह निम्बाडा ने बताया कि यह कार्यक्रम 'मनरेगा बचाओ संग्राम अभियान' के अंतर्गत आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मनरेगा ग्रामीण गरीब, मजदूर और किसानों के लिए आजीविका की मजबूत गारंटी है, और कांग्रेस की पुरज़ोर मांग हे न्यूनतम 400 रुपये मजदूरी मिले व मनरेगा के मूल स्वरूप से छेड़छाड़ गरीबों के अधिकारों पर सीधा हमला है। प्रदर्शन के माध्यम से केंद्र सरकार के निर्णय का विरोध दर्ज कराया जाएगा और मनरेगा को कमजोर किए जाने के प्रयासों के खिलाफ आवाज बुलंद की। इसके साथ ही कांग्रेस द्वारा 12 से 29 जनवरी तक पंचायत स्तर पर जनसंपर्क अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान के तहत कार्यकर्ता गांव-गांव जाकर आमजन को मनरेगा अधिनियम में प्रस्तावित बदलावों तथा उससे होने वाले संभावित नुकसान की जानकारी देंगे। पाली विधायक भीमराज भाटी व पूर्व विधायक खुशवीर सिंह जोजावर ने कहा कि कांग्रेस का उद्देश्य जनता को जागरूक कर इस जनकल्याणकारी योजना की रक्षा करना बताया है, तथा केंद्र की भाजपा सरकार द्वारा राज्य सरकार की 40 प्रतिशत हिस्सेदारी मनरेगा को खत्म करने की साजिश है, हरिशंकर मेवाडा ने केंद्र सरकार की नीति व नीयत को आम जनता के साथ खिलवाड़ बताया व मनरेगा को बंद करने के षड्यंत्र को की आलोचना की, इस दौरान सांकेतिक धरना एवं उपवास कार्यक्रम में पाली के विधायक भीमराज भाटी, पूर्व विधायक खुशवीर सिंह जोजावर, पूर्व जिलाध्यक्ष अजीज दर्द,पूर्व जिलाध्यक्ष चुन्नीलाल चाड़वास , प्रदेश कांग्रेस सचिव डिम्पल कँवर, हरिशंकर मेवाड़ा, महावीर सिंह सुकरलाई, पाली शहर ब्लॉक अध्यक्ष हकीम भाई, मोहन हटेला, मारवाड़ ब्लॉक अध्यक्ष लक्ष्मीनारायण तंवर, रोहट ब्लॉक अध्यक्ष पीराराम पटेल, सुमेरपुर ब्लॉक अध्यक्ष नेहपाल सिंह, एम एम बोड़ा, पोपट भाई पटेल, जोगाराम सोलंकी, भंवर राव, भेरूसिंह सोनना, युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष गोरधन देवासी, महिला कांग्रेस ज़िलाध्यक्ष ऐश्वर्या सांखला, सेवादल ज़िलाध्यक्ष प्रकाश चौधरी, मेहबूब भाई टी, सुभाष मेवाडा, प्रकाश सांखला,मंगलाराम भीण्डर, नगेन्द्र गुर्जर,गोविंद बंजारा, अशोक कुलदीप,सुनील बैरवा, महावीर कटारिया, ताराचन्द चन्दनानी, जीवराज चौहान,रघुनाथ सिंह मंडली, देवी सिंह,मांगूसिंह दुदावत, गिरधारी सिंह राजपुरोहित, राजू बंजारा, गोरधन प्रजापत, भेराराम गुर्जर, रंगराज मेहता, दिनेश दवे,ओमा चौधरी, रमेश परिहार,यशपाल सिंह कुम्पावत,शहजाद शेख, कलीम अख्तर, दिनेश दवे, जीसान अली रंगरेज , सलीम रंगरेज, रमेश चावला, राजेन्द्र मेघवाल, गुलाब सोढ़ा, इंसाफ मोयल,अजीज लीडर, एडवोकेट असलम चितारा, श्रवण सिंह , सज्जन बी राज , राजु सिंह सोनाई,रमेश चावला, रघुनाथ सिंह मण्डली, मोनू मेघवाल, राजेन्द्र मेघवाल, बाबू भाई गोरी, सन्तोष सिंह बाजवा, निर्मल तेजी, अभिषेक चौपड़ा, महेश परिहार, मुकेश भारती, बरकत अली, मांगीलाल रांगी, नारसिह, पंकज अग्रवाल, दिनेश पंवार ,अमजद अली रंगरेज, धनराज आर्य, अशगर कुरेशी, वजीर खान, विकास राठौड़, जीवाराम, राजेन्द्र शर्मा,ताराचंद टांक, समीम खत्री, इंद्रा रतन पंवार, गीता रांगी, अनामीका मेवाड़ा,रोहित कच्छावाह, रमेश परिहार,छोटु सिंह राजपुरोहित, पुष्प राज सोनी, ललित सिंह, मनोहर सिंह जवाली, चन्द्रपाल सिंह पुनायता, लक्ष्मण कच्छावाह, इन्साफ सोलंकी, चेलाराम राबरडा, लोकेश पूरी गोस्वामी, हिम्मत सीरवी, सुरेश परमार, शंकरलाल माली, जय सिंह कर्मावास, हरिसिंह, भंवरलाल माली, सुरेश कुमार माली, रुपाराम ,लालाराम शर्मा, मांगीलाल सोलंकी, बाबू भाई कीर, इकबाल शेख, अनिल सिंह निम्बाडा, विकास सिंह राठौड़ नरेश चौधरी, सहित कांग्रेस नेता तथा बड़ी संख्या में नरेगा महिला श्रमिक व कार्यकर्ता शामिल हुए।

हिंडौन में मुस्लिम संगठनों की अनूठी पहल, ईदगाह गेट पर समारोहपूर्वक मनाया जाएगा गणतंत्र दिवस

हनीस शेख

हिंडौन (रॉयल पत्रिका)। शहर में 26 जनवरी गणतंत्र दिवस को लेकर इस बार एक खास और सकारात्मक पहल सामने आई है। हिंडौन के मुस्लिम संगठनों ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया है कि देश का गणतंत्र दिवस पूरे सम्मान और गरिमा के साथ ईदगाह गेट पर समारोहपूर्वक मनाया जाएगा। इसको लेकर आज हिंडौन में मुस्लिम संगठनों की एक अहम बैठक आयोजित की गई। बैठक जमीअत उलमा-ए-हिन्द के तहसील सदर हाफिज बाबुद्दीन की अध्यक्षता में हम्माल पा स्थित कार्यालय में संपन्न हुई। बैठक के संयोजक एवं पूर्व उपसभापति नफीस अहमद ने बताया कि भारत की आज़ादी की लड़ाई में हिंदू, मुस्लिम, सिख और ईसाई सभी धर्मों के लोगों ने कंधे से कंधा मिलाकर अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष किया था। उन्हीं शहीदों की कुर्बानियों को याद करते हुए यह निर्णय लिया गया है। नफीस अहमद ने कहा कि आम लोगों में देशप्रेम की भावना को मजबूत करने, संविधान और लोकतंत्र की रक्षा तथा मौजूदा हालात में देश की एकता और अखंडता को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से यह आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने जानकारी दी कि 26 जनवरी को सुबह 9 बजे ईदगाह गेट पर गणतंत्र दिवस समारोह आयोजित होगा। बैठक में जमीअत उलमा-ए-हिन्द के सदर हाफिज बाबुद्दीन, जमीयतुल कुरैश के जिला सदर सद्दाम कुरैशी, पठान वेलफेयर सोसाइटी के संयोजक एडवोकेट इमरान खान, मुस्लिम वेलफेयर सोसाइटी के आरिफ पहलवान, हिदायतुल तेली समाज के प्रदेशाध्यक्ष मोहम्मद निजामुद्दीन, अब्बासी वेलफेयर एसोसिएशन के प्रवक्ता कलमुद्दीन खान, राष्ट्रीय शाह समाज फाउंडेशन के प्रदेश अध्यक्ष हबीब ताज, मुस्लिम महासभा के प्रदेश महासचिव रफीक चौधरी, वक्फ कमेटी के सचिव रफीक मलिक, मुफ्ती सद्दाम, युवा नेता आमिर कुरैशी, अज़हर काज़ी, रहमान अब्बासी, छात्र नेता शर्फुद्दीन चौधरी सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। बैठक में यह भी तय किया गया कि शेष मुस्लिम संगठनों को गणतंत्र दिवस की तैयारियों को लेकर होने वाली अगली बैठक में शामिल किया जाएगा। आयोजकों के अनुसार यह आयोजन अपने आप में एक अनूठी पहल है, जिसे आगे भी हर वर्ष नियमित रूप से मनाने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया है।

भयंकर ठंड में बच्चों के लिए बना स्कूल स्टाफ सहारा, 107 विद्यार्थियों को वितरित की जर्सियां

हनीस शेख

हिंडौन (रॉयल पत्रिका)। भीषण ठंड के प्रकोप को देखते हुए राजकीय प्राथमिक विद्यालय पुरानी बस्ती चिनायटा के स्कूल स्टाफ ने सराहनीय पहल करते हुए 107 स्कूली बच्चों को गर्म जर्सियां वितरित कीं। इस मानवीय प्रयास ने न केवल बच्चों को ठंड से राहत दी, बल्कि समाज के लिए एक प्रेरणादायक संदेश भी दिया। सामाजिक कार्यकर्ता अजीम खान चिनायटा ने जानकारी देते हुए बताया कि ठंड के इस कठिन समय में स्कूल स्टाफ ने बच्चों की जरूरत को समझते हुए अपने स्तर पर यह व्यवस्था की, जिससे गरीब व जरूरतमंद परिवारों के बच्चों को ठंड से बचाया जा सके। जर्सी पाकर बच्चों के चेहरों पर खुशी साफ झलक रही थी। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के प्रधानाध्यापक प्यारेलाल मीणा ने कहा कि शिक्षा के साथ-साथ बच्चों के स्वास्थ्य और सुरक्षा की जिम्मेदारी भी विद्यालय की होती है। ठंड में बच्चों को सुरक्षित रखना हमारा नैतिक कर्तव्य है। इस अवसर पर धर्मवीर अध्यापक, धूजीलाल अध्यापक, क्षमा अध्यापिका, कुंती अध्यापिका, वीरेंद्र जाटव, नीतेश सहित बड़ी संख्या में गांववासी मौजूद रहे। ग्रामीणों ने स्कूल स्टाफ की इस पहल की खुले दिल से सराहना की और इसे अनुकरणीय बताया। कार्यक्रम के अंत में बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय आने और मन लगाकर पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया गया। स्कूल स्टाफ की यह पहल निश्चित रूप से समाज में सकारात्मक सोच और मानवता की मिसाल कायम करती है।

मिस्टर राजस्थान प्रतियोगिता में हिंडौन के अरशद कुरैशी तृतीय स्थान पर रहे

हनीस शेख

हिंडौन (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान स्टेट बॉडीबिल्डिंग एसोसिएशन द्वारा कोटा में आयोजित 53वीं मिस्टर राजस्थान बॉडीबिल्डिंग प्रतियोगिता में हिंडौन सिटी के होनहार युवा अरशद कुरैशी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तृतीय स्थान प्राप्त कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। बॉडीबिल्डिंग एसोसिएशन के अब्दुल हादी खान ने जानकारी देते हुए बताया कि 11 जनवरी को इंडियन बॉडीबिल्डिंग फेडरेशन से मान्यता प्राप्त राजस्थान स्टेट बॉडीबिल्डिंग एसोसिएशन के तत्वावधान में आयोजित इस प्रतियोगिता में 70 से 75 किलोग्राम भार वर्ग में अरशद कुरैशी ने बेहतरीन फिटनेस और प्रस्तुति के दम पर तीसरा स्थान हासिल किया। प्रतियोगिता में सफलता प्राप्त कर आज सुबह जनशताब्दी ट्रेन से कोटा से लौटने पर हिंडौन रेलवे स्टेशन पर शहर के सर्व समाज के खेल प्रेमियों ने अरशद कुरैशी का माला एवं साफा पहनाकर भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर अरशद कुरैशी ने कहा कि युवा वर्ग को नशे और अन्य सामाजिक बुराइयों से दूर रहकर नियमित व्यायाम के माध्यम से अपने शरीर को स्वस्थ एवं मजबूत बनाए रखना चाहिए। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता, प्रशिक्षकों और शुभचिंतकों को दिया। स्वागत कार्यक्रम के दौरान अन्नू बैंसला, अदीब अहमद, अफसर शाह, थान सिंह, अमन, इमरान, निजामुद्दीन, पंकज बैरवा, रिज़वान कुरैशी, नगीन, कलीम, फिरोज़, कमलकांत सहित अनेक युवाओं ने उपस्थित होकर अरशद कुरैशी को बधाई दी।

इंसानियत एकता सेवा समिति की तरफ से दुपहिया वाहन चालकों को 110 मफलर वितरित किए गए

चूरू (रॉयल पत्रिका) । जिला मुख्यालय पर इंसानियत एकता सेवा समिति की तरफ से एक दिवसीय 'मफलर बांधकर बाइक चलाओ, चाइनीज मांझे से खुद को बचाओ' अभियान चलाकर दुपहिया वाहन चालकों को मफलर वितरित कर चाइनीज मांझे से बचाओ को लेकर जागरूकता का सन्देश दिया गया। समिति संरक्षक सदस्य एडवोकेट इब्राहीम गौरी के नेतृत्व में अभियान के तहत 110 मफलर वितरित किए गए। इस अवसर पर समिति संस्थापक करामत खान उर्दू अदीब ने बताया कि समिति की तरफ से शहर में विभिन्न जगहों पर दुपहिया वाहन चालकों को मफलर वितरित कर उनको चाइनीज मांझे से बचने के लिए जागरूक किया गया। समिति मीडिया प्रभारी मोहम्मद अली पठान ने कहा कि मफलर ठंड लगने, गले के संक्रमण और कान की समस्याओं से बचाओ करने में मदद करता है। साथ ही इस मौके पर हेलमेट लगाने के लिए भी प्रेरित किया गया। इस दौरान समिति निदेशक सदस्य अयूब खान, समाजसेवी हमीद खान रिसालदार, मो. सलमान खान, गुलाम हुसैन गौरी, सुलेमान मनीहार, रफीक मनीहार, यूनुस खान, इरफान खानइंसानियत एकता सेवा समिति की तरफ से दुपहिया वाहन चालकों को 110 मफलर वितरित किए गए, अबरार खान, करण सैनी, पंकज सैनी, जाकिर अली खान, यूनुस अली भाटी आदि मौजूद रहे। समिति व्यवस्थापक इंजीनियर जाफर खान ने आभार व्यक्त किया।

लक्ष्यों की पूर्ति में लापरवाही नहीं होगी बर्दाश्त - जिला कलक्टर

-राजस्व अधिकारी आमजन को राहत देने के लिए करें शीघ्र मामलों का निस्तारण

शब्बीर हुसैन

बारां (रॉयल पत्रिका) आमजन को त्वरित राहत और न्याय प्रदान करने के लिए उपखंड अधिकारी अपने कर्तव्यों के प्रति पूरी तरह से सचेत रहें, यह कहना है जिला कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर का। जिला कलक्टर ने शुक्रवार को मिनी सचिवालय सभागार में जिले के राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। जिसमें उन्होंने राजस्व न्यायालय सहित सम्पर्क पोर्टल व सीएमओ से प्राप्त प्रकरणों के निराकरण में प्रगति लाने के निर्देश दिए। जिला कलक्टर ने जिले के सभी उपखंड अधिकारियों से राजस्व परिवादों के निस्तारण को और सुदृढ करने और पर्याप्त मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। उन्होंने विभिन्न मानकों में पीछे रहने वाले उपखंड अधिकारियों को कड़े निर्देश देते हुए कार्यों को समय से पूरा करने के निर्देश दिए। वहीं सभी तहसीलदारों को लंबित प्रकरणों को शीघ्रता पूर्वक निपटाने एवं अधिक समय फील्ड में रहने के निर्देश दिए। बैठक में जिला कलक्टर ने कहा कि राजस्व अधिकारी प्रतिदिन न्यायालय में बैठकर आमजन के प्रकरणों की सुनवाई करते हुए अधिकाधिक प्रकरणों को सुनकर लोगों को राहत प्रदान करें। इसके साथ ही मुख्यमंत्री कार्यालय से प्राप्त व लंबित परिवादों का यथाशीघ्र निस्तारण सुनिश्चित करे। जिला कलक्टर ने बैठक में सभी उपखंड अधिकारियों को क्षेत्र में अवैध खनन पर कड़ी निगरानी रखने, विधानसभा प्रश्नों का निर्धारित समयावधि में जवाब प्रेषित करने एवं जर्जर भवन वाले विद्यालयों की शिफ्टिंग अतिशीघ्र सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राजस्व वसूली प्रकरण में लक्ष्य निर्धारित करते हुए प्रगति सुनिश्चित की जाए। सीमाज्ञान व जमाबंदी के मामलों को भी त्वरितगति से निस्तारित करें।

लापरवाह बीडीओ को देवें चार्जशीट-

जिला कलक्टर ने बैठक में जिला परिषद के सीईओ को निर्देश देते हुए कहा कि स्वच्छ भारत मिशन के कार्यों के प्रदर्शन में सुधार लाते हुए वांछित प्रगति लाना सुनिश्चित करे। इसके साथ ही जो भी विकास अधिकारी अपने लक्ष्यों की पूर्ति में लापरवाही दर्शा रहे है ऐसे अधिकारियों को तुरंत प्रभाव से चार्जशीट देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी उपखंड अधिकारी व विकास अधिकारी नियमित रूप से विभिन्न विभागों के साथ बैठक करते हुए विकास कार्यों में गति लाएं। बैठक के दौरान उन्होंने एमजेएसए, विधायक व सांसद निधि, नरेगा आदि योजनाओं के कार्यों का समयबद्ध निस्तारण के भी निर्देश दिए। लक्ष्यों की पूर्ति में लापरवाही नहीं होगी बर्दाश्त बैठक में अतिरिक्त जिला कलक्टर भंवरलाल जनागल, जिला परिषद सीईओ राजवीर सिंह चौधरी, सीएमएचओ संजीव सक्सेना, सहायक निदेशक जनसम्पर्क योगेन्द्र शर्मा सहित सभी उपखंड अधिकारी एवं तहसीलदार आदि उपस्थित थे।

मौलाना अबुल कलाम आजाद एजुकेशन इंस्टिट्यूट की कार्यकारिणी मीटिंग संपन्न

चूरू (रॉयल पत्रिका) । जिला मुख्यालय पर मौलाना अब्दुल कलाम आजाद वेलफेयर सोसाइटी की मीटिंग संपन्न हुई मीटिंग में उपस्थित सदस्यों ने निर्माणाधीन बिल्डिंग के कार्यों का निरीक्षण किया एवं भविष्य में बिल्डिंग का मल्टी-प्रपज उपयोग लेने पर विचार-विमर्श किया गया, सभी सदस्यों ने अपने-अपने विचार रखें जिसमें बिल्डिंग के ऊपर छत पर सोलर प्लांट लगाने, 5 G टावर लगाने एवं शहीद स्मारक बनाने पर विचार किया गया। साथ ही जो भी बिल्डिंग का कार्य अभी अधूरा है उसके लिए भामाशाहों से संपर्क कर कार्य को जल्द से जल्द पूर्ण करवाने की चर्चा की गई मीटिंग में उपस्थित सदस्य में मुस्ताक लुहार और युनस अली लुहार ने मुस्लिम लुहार समाज की तरफ से सहयोग की नियत से बिल्डिंग निर्माण के लिए बीस हजार छ सौ रूपये का नगद सहयोग किया ।मीटिंग में अध्यक्ष आजम अली खान पितीसर, मोहम्मद अली पठान, इनायत खां मोयल, हबीब खां, मैनुदीन खां फतेहखानी, आवेश कुरैशी, मौलाना अबुल कलाम आजाद एजुकेशन इंस्टिट्यूट की सैयद आरिफ कमाल, मोहम्मद इमरान भाटी, युनस अली भाटी, सुलेमान मणियार उपस्थित रहे। बैठक का सफल संचालन मोहम्मद अली पठान ने किया। अध्यक्ष आजम अली खान ने सभी का आभार व्यक्त किया।

चुरु के शमशाद खान यू.ए.ई में बेस्ट अंपायर अवार्ड 2025 से सम्मानित

चुरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय के वार्ड न. 38 अगुना मोहल्ला के शमशाद खान पुत्र फारुक खान को बेस्ट अंपायर अवार्ड 2025 का खिताब (अवॉर्ड) दिया गया शमशाद खान यू.ए.ई में क्रिकेट खेलने के लिए गए थे वहां क्लब से काफी क्रिकेट भी खेली पर इंजरीयो की वजह से क्रिकेट आगे नहीं खेल पाए पहले उनका क्रिकेट खेलते वक्त हाथ टूट गया था ऑपरेशन करवा के ठीक हो कर वापस खेलना शुरू किया तो उनको बैक पेन इंजरी हो गई जिससे वो फिर क्रिकेट से दूर हो गए फिर उन्होंने अंपायरिंग में जाने का मन बनाया और दुबई में अंपायरिंग कोर्स करके वहां क्लब के मैचों में अंपायरिंग करने लगे शमशाद खान शारजाह इंटरनेशनल स्टेडियम ओर दुबई इंटरनेशन स्टेडियम में भी अंपायरिंग कर चुके है और उन्होंने 800 मैचों से ज्यादा में अंपायरिंग कर चुके है दुबई में राजस्थान के एक मात्र अंपायर शमशाद खान चूरू के रहने वाले हैं।

ऑल इंडिया बार काउंसलिंग में सफलता प्राप्त कर एडवोकेट बने बिलाल खान और समीर खान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर ऑल इंडिया बार काउंसलिंग परिक्षा में आथूना मोहल्ला वार्ड नं 12 एक गौड परिवार के दो भाई बिलाल खान गौड और समीर खान गौड पुत्र अयूब खान गौड़ पहले ही प्रयास में सफलता हासिल की है। इस परिक्षा में पूरे देश के छात्रो ने भाग लिया इस अवसर पर परिवार के सदस्यों में खुशी लहर है इस अवसर लड़के के ताऊ निसार अहमद खान रिटायर्ड रेलवे स्टेशन मास्टर, असगर अली जोईया रिटायर्ड अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी, अयूब खान गौड़, यूनुस खान गौड, बहन सानिया गौड, भाई अरमान खान और माँ सबीना गौड़, चाची समीम गौड़े, भाई आदील खान गौड़, अरमान खान परिवार के सदस्यों ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि हमारे समाज में शिक्षा की कमी के कारण हमें सरकारी कार्यालय में काफी मशक्कत करनी पड़ती है और हमारे काम भी नहीं होते हैं इसलिए हमारे बच्चे अपने काम के साथ-साथ समाज की सेवा भी करेंगे । और शिक्षित होना बहुत ही आवश्यक है। लड़के के दादा स्वर्गीय नबी बख्श खान गौड राजस्थान पुलिस में कार्यरत थे। आज उनके पोते एडवोकेट बने है यह हमारे लिए बहुत ही खुशी की बात है।

समाज में दिया संदेश बड़ी ही सादगी के साथ सगाई की रस्म अदा की- समीर खान

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर वन विहार कॉलोनी में 10 जनवरी 2026 सगाई की रश्म। सलीम ख़ान मुन्याण प्रिन्सिपल के बेटे समीर खान की सगाई, सादगी के साथ एक रूपये नारियल में सिकंदर खान दुलेखानी एनआरआई की लड़की के साथ गणमान्य रिश्तेदारों की मौजूदगी में चूरू मे संपन्न हुई। लड़का डीईओ नूर मोहम्मद खान का दोहिता और शौकत अली खान झारिया रिटायर्ड एडिशनल कमिश्नर का भतीजा है। लड़की रि. प्रिन्सिपल नज़ीर मोहम्मद खान महरीवालो के साले की पोती और एएसआई अयूब खान पितिसर की भतीजी है। दोनों ही शिक्षित परिवार हैं, सादगी का परिचय देकर समाज को एक संदेश देने की कोशिश की है। मुझे य़ह फेक्शन अटेंड करने का मौका मिला और मैं इस सादगी पूर्ण दावत का हिस्सेदार बना, इस बात की मुझे खुशी हुई इसलिए सोचा कि मैं यह बात समाज में भी बेहतरीन संदेश के लिए शेयर करूं। प्रोग्राम में डॉ. इकराम हुसैन, डॉ. मोहम्मद आरिफ खान, पूर्व पीएम ओ डॉ. एफएच गोरी, अयूब खान रिटायर्ड एडिशनल एसपी, भँवर खान रिटायर्ड एडीईओ, नूर मोहम्मद खान रिटायर्ड आबकारी अधिकारी, नज़ीर मोहम्मद खान रिटायर्ड प्रिन्सिपल, अयूब खान एएसआई, यूनुस खान भाई खानी, याकूब खान मुन्याण, कैप्टन जसवंत खान, जंग शेर खान, कासिम खान रिटायर्ड प्रिन्सिपल, उम्मेद खान रिटायर्ड प्रिन्सिपल, मुबारक खान पहाड़ियांन जेजेएन, दाऊद खान भाई खानी डाडुन्दा, उम्मेद खान भीमसर, असगर खान, अब्बास खान अखाण और समस्त मुन्याण एवं दूल्हेखानी परिवार ने शिरकत की। काफी तादाद में मौजिज लोग उपस्थित रहे। इंटेलेक्चुअल मुस्लिम सोसाइटी मेंबर्स भी शामील रहे।

हज प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम हुआ सम्पन्न

मोहम्मद यासीन

मुम्बई (रॉयल पत्रिका)। भारत सरकार के अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय के अंतर्गत हज कमेटी ऑफ इंडिया की तरफ से हज 2026 के तहत "हज प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण कार्यक्रम" मुम्बई स्थित केंद्रीय हज कार्यालय के ऑडिटोरियम होल में अखिल भारतीय हज कमेटी सी ई ओ शहनवाज सी एवं सी जे आई जेद्दाह फहद अहमद सुरी के मुख्य आतिथ्य में आयोजित राजस्थान हज कमेटी से पाली से हज ट्रेनर आमीन अली रंगरेज़ ने दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में भाग लिया कार्यक्रम में केंद्रीय अल्पसंख्यक मंत्रालय, विदेश मंत्रालय स्वास्थ्य मंत्रालय के अधिकारियों एवं विषय विशेषज्ञों ने प्रशिक्षण दिया। केंद्रीय हज कमेटी द्वारा 10-11 जनवरी को मुम्बई में आयोजित हज प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण शिविर में राजस्थान से हज यात्रा में जाने वाले यात्रियों को प्रशिक्षित करने के लिये पाली के आमीन अली रंगरेज़ सहित राजस्थान एवं विभिन्न प्रदेशों के हज ट्रेनरों के प्रशिक्षण में भाग लिया। इस ट्रेनिंग प्रोग्राम में हज़ कमेटी ऑफ इंडिया अधिकारीगण व पुरे भारत से स्टेट हज कमेटी के चेयरमैन और अधिशाषी अधिकारीयों ने शिरकत की, दो दिवसीय प्रोग्राम में पूरे भारत से लगभग 650 चयनित हज ट्रेनर्स शामिल हुए इस कॉन्फ्रेंस में इस साल हज़ में, हज कमेटी ऑफ इंडिया व भारत सरकार द्वारा क्या क्या व्यवस्थाए की जाएगी इस वर्ष हज़ 2026 मे क्या क्या बदलाव किये गये उसकी विस्तार से जानकारी दी गई।

कड़ाके की ठंड को देखते हुए जिला कलक्टर ने किया रैन बसेरे का निरीक्षण

हनुमानगढ़ (रॉयल पत्रिका)। शीत ऋतु में जरूरतमंदों को राहत प्रदान करने के उद्देश्य से संचालित रैन बसेरों की व्यवस्थाओं का जायजा लेने हेतु जिला कलक्टर डॉ. खुशाल यादव ने शुक्रवार देर रात जंक्शन बस स्टैंड स्थित रैन बसेरे का निरीक्षण किया। रात करीब 11.30 बजे किए गए निरीक्षण के दौरान नगर परिषद आयुक्त सुरेन्द्र यादव भी साथ रहे। जिला कलक्टर ने रैन बसेरे में ठहरे हुए लोगों से उपलब्ध सुविधाओं के बारे में विस्तार से फीडबैक लिया। नगर परिषद को नागरिकों हेतु अतिरिक्त चारपाई की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि अधिकाधिक जरूरतमंदों को बेहतर सुविधा मिल सके। इसके उपरांत जिला कलक्टर डॉ. यादव मुख्य बाजार पहुंचे तथा डिवाइडर और दुकानों के आगे बैठे नागरिकों से बातचीत की। उन्होंने समझाइश कि की शीत ऋतु में ठंड से बचाव के लिए प्रशासन की ओर से रैन बसेरों में निःशुल्क आश्रय उपलब्ध कराया जा रहा है। जहां रजाई, बिस्तर जैसी व्यवस्थाए की गई हैं, ताकि कोई भी व्यक्ति ठंड से प्रभावित न हो। जिला कलक्टर ने बताया कि रैन बसेरों में आश्रय लेने वालों को अन्नपूर्णा रसोई के माध्यम से मात्र आठ रुपए में भरपेट भोजन भी उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे कोई भी व्यक्ति भूखा न सोए। उन्होंने नगर परिषद आयुक्त को समस्त व्यवस्थाओं को और अधिक सुद्दढ़ एवं व्यवस्थित रखने के निर्देश दिए।

तालुका विधिक सेवा समिति सांचौर की ओर से जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया

-शिविर में विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों व सरकारी योजनाओं की दी जानकारी

सांचौर (रॉयल पत्रिका)। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पालड़ी सोलंकियां में तालुका विधिक सेवा समिति सांचौर की ओर से विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विद्यार्थी को नशा उन्मूलन, नशे के दुष्परिणामो, जनोपयोगी सेवा समस्या समाधान तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। इस अवसर पर अधिकार मित्र रमेश कुमार गर्ग ने नशा उन्मूलन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि नशा करने से शरीर और परिवार दोनों का नाश होता है। नशे के कारण अनेक गंभीर बीमारीया हो जाती हैं, जिनका कोई इलाज नहीं होता तथा नशा करने से दर्दनाक मौत भी होती हैं। इसके साथ ही नशे से धन संपत्ति का नुकसान होता है और नशा करने वाला व्यक्ति अपने परिवार का समुचित पालन पोषण नहीं कर पाता, जिससे बच्चों का स्वास्थ्य शिक्षा और भविष्य प्रभावित होता है। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई गई। नशा मुक्त प्रदेश अभियान के अंतर्गत विद्यार्थियों ने यह प्रतिज्ञा ली की वे स्वयं नशा नहीं करेंगे तथा अपने परिवार मित्रों और समुदाय को भी नशा मुक्त करने के लिए संभव प्रयास करेंगे। सिविल में विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति, पेंशन, पालनहार योजना सहित विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई।

सांचौर नगर पालिका में संविदा पर कार्मिक लगाने का मामला डीएलबी में अटका

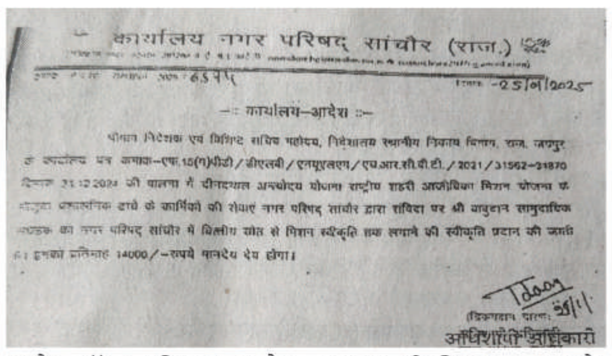

सांचौर (रॉयल पत्रिका)। सांचौर नगर पालिका में नियम विरुद्ध संविदा कर्मी की नियुक्ति का मामला प्रकाश में आने के बाद भी जांच आगे नहीं बढ़ी इससे डीएलबी की भी भूमिका भी सवालों के घेरे में आ गई है। सात माह से कार्रवाई की बजाय इसे फाइल में लटका कर रख दिया है। जानकारी के अनुसार नियमों को ताक में रखकर नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी त्रिकमदान चारण ने रिश्तेदार बाबू दान चारण को 25 जनवरी 2025 को संविदा की पोस्ट पर नियुक्त किया है। नियमो के मुताबिक प्लेसमेंट एजेंसी के जरिए कार्यरत कार्मिक को इस तरह सीधे संविदा पर लेना प्रतिबंधित बताया जा रहा है इसके बावजूद बाबू दान चारण को न केवल नियुक्त दी गई बल्कि लगातार नियम विरुद्ध भुगतान भी किया जा रहा है। रिश्तेदार को नियुक्ति प्रदान करने के मामले में विभाग के आदेशों की अवहेलना हुई बताई। यहां दीनदयाल अंत्योदय योजना राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन योजना के तहत एचआर एजेंसी के माध्यम से अनुबंध से लेने के आदेश में स्पष्ट निर्देश करते हुए बताया गया था कि निकाय अपने स्तर पर स्वयं के वित्तीय स्रोत से नया मिशन के तहत अनुबंध पर कार्मिकों की सेवाएं ले सकती है, जिस पर नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी त्रिकमदान चरण ने विभाग के आदेशों के विपरीत सीधे संविदा पर कार्मिक को नियुक्ति कर आदेश प्रदान कर दिया। जो नियमों की खुली अवहेलना बताई। मामला जिला स्तरीय जनसुनवाई मुख्यमंत्री जनसुनवाई व डीएलबी में पहुंचा।

डोडा चूरा तस्करी नेटवर्क का भंडाफोड़, 469 किलो 550 ग्राम डोडा चूरा जब्त

-गेंहु की आड़ हो रही थी मादक पदार्थों की तस्करी, पिकअप के साथ एक आरोपी गिरफ्तार, पुलिस थाना असनावर की कार्यवाही

फिरोज खान वारसी

झालावाड़ (रॉयल पत्रिका) । पुलिस अधीक्षक अमित कुमार ने बताया कि संगठित, अपराध अवैध मादक पदार्थ तस्करों के विरुद्ध जिला स्तर पर विशेष अभियान चलाया जा रहा है जिसमें अवैध मादक पदार्थों की खरीद-फरोख्त, अवैध मादक पदार्थों का परिवहन, अवैध मादक पदार्थो के निर्माण संबंधित व अवैध मादक पदार्थों की खपत से संबंधित अवैध कार्यों में संलिप्त अपराधियों के विरुद्ध जिला स्पेशल टीम व जिले के समस्त थाना अधिकारियों को थाना स्तर पर विशेष टीमों का गठन का प्रभावी कार्यवाही किए जाने बाबत निर्देशित किया हुआ है। अभियान के तहत भागचंद मीणा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक झालावाड़ के निर्देशन बृजेश कुमार पुलिस उपाधीक्षक वृत्त अकलेरा के के निकटतम सुपरविजन में थानाधिकारी पुलिस थाना असनावर के नेतृत्व में गठित विशेष टीम द्वारा अवैध मादक पदार्थ तस्करों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही करते हुए दिनांक 11.01.2026 को डुंगर गांव घाटी एन.एच. 52 अकलेरा झालावाड़ रोड पर दौराने नाकाबन्दी अकलेरा की तरफ से पिकअप आती साती हुई दिखाई दी जिसे रुकवाया गया जिसपर जसपर आरजे 32 जीडी 2131 की नम्बर प्लेट लगी थी। चालक से नाम पुछने पर अपना नाम प्रदीप कुमार सिंह उर्फ प्रदीप कालीराणा बताया। चालक की गतिविधियां संदिग्ध प्रतीत होने पर नियमानुसार तलाशी लेने पर पिकअप से 40 बोरे में गेहूं व 26 प्लास्टिक के कट्टों में कुल 469 किलो 550 ग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडा-चुरा बरामद किया गया। पिकअप जप्त करते हुए 01 आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता अर्जित की है। सम्पुर्ण कार्यवाही में जिला स्पेशल टीम का महत्वपुर्ण योगदान रहा।

पुलिस कार्यवाही-

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि 11.01.2026 को डुंगर गांव घाटी,एन.एच. 52 अकलेरा झालावाड़ रोड पर नंदकिशोर थानाधिकारी पुलिस थाना असनावर द्वारा मय जाप्ता नाकाबंदी की जा रही थी इसी दौरान दौराने नाकाबन्दी अकलेरा की तरफ से पिकअप आती हुई दिखाई दी जिसे रुकवाया गया, नियमानुसार तलाशी लेने पर पिकअप से 26 प्लास्टिक के कट्टों में कुल 469 किलो 550 ग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडा-चुरा बरामद किया जाकर परिवहन में काम में ली गयी पिकअप जप्त करते हुए 01 आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता अर्जित की है। जप्तशुदा पिकअप पर लगी नम्बर प्लेट का मिलान वाहन के चेचिस नम्बर से नहीं हुआ साथ ही साथ पिकअप से एक और अन्य फर्जी नम्बर प्लेट भी बरामद की गयी है। अभियुक्त द्वारा शातिराना तरीके से नम्बर प्लेट बदल-बदल कर मादक पदार्थ तस्करी का कार्य किया जाता है। आरोपी द्वारा इतनी बडी मात्रा में अवैध मादक पदार्थों की खरीद कर उसकी खपत कहां-कहां की जानी थी तथा उसके साथ तस्करी नेटवर्क में और कौन-कौन लोग सम्मिलित है इस संबंध में आरोपी से पूछताछ जारी है।

गिरफ्तार आरोपी-

प्रदीप कुमार सिंह उर्फ प्रदीप कालीराणा पुत्र जीयाराम जाति जाट उम्र 26 साल निवासी नान्दियाप्रभावती पुलिस थाना भोपालगढ़ जिला जोधपुर ग्रामीण राजस्थान

पुलिस टीम-

जिला स्पेशल टीम झालावाडः- प्रभारी जिला स्पेशल टीम झालावाड मय जाप्ता सुरेन्द्र,हैड कानि.महावीर कानि. भरतराज कानि रामलाल कानि. दौलतराम कानि. श्यामलाल कानि. व चन्द्रशेखर कानि. पुलिस थाना असनावर नन्दकिशोर पु.नि. थानाधिकारी मय जाप्ता सत्येन्द्र सिंह कानि. सियाराम कानि. तेज करण कानि. राजकुमार कानि. व चालक भरत कुमार कानि. विशेष भुमिकाः सुरेन्द्र हैड कानि.रामलाल कानि. (जिला स्पेशल टीम झालावाड़) की रही।

आवश्यकता

जयपुर से प्रकाशित होने वाले अख़बार "रॉयल पत्रिका" को सीकर, झुंझुनूं के लिए रिपोर्टर की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार। संपर्क करें - 8058969180/9799559096

फराह खान ने की नुसरत भरूचा की तारीफ

बोलीं- फिल्म अकेली देखकर बढ़ गया ब्लड प्रेशर

अपने व्लॉग्स में फराह सेलिब्रिटीज के घर जाकर उनके किचन में उनके साथ नई-नई रेसिपीज बनाती हैं। इसके साथ ही दर्शकों को उनके घर का टूर भी करवाती हैं। खाना बनाते-बनाते मजेदार बातें होती रहती हैं। फिल्मी दुनिया में जब किसी कलाकार की मेहनत को उनके सीनियर की सराहना मिलती है, तो वो खास पल बन जाता है । हाल ही में कुछ ऐसा ही देखने को मिला, जब मशहूर कोरियोग्राफर और निर्देशक फराह खान ने अभिनेत्री नुसरत भरूचा की खुलकर तारीफ की। 'द फराह खान शो' व्लॉग्स के सिलसिले में फराह नुसरत के घर पहुंची। इस मुलाकात के दौरान उन्होंने न सिर्फ फिल्मों को लेकर बातें कीं, बल्कि एक्ट्रेस के घरेलू और सादगी भरे अंदाज को भी दिखाया। नुसरत भरूचा ने फराह खान के लिए 'मटन उप्पु करी' डिश बनाई। फराह खान ने नुसरत की कुकिंग की तारीफ करते हुए कहा कि उनमें एक घरेलूपन है, जो उन्हें बाकी कलाकारों से अलग बनाता है। बातचीत आगे बढ़ी तो फराह खान ने नुसरत की मां को भी चर्चा में शामिल किया. उन्होंने बड़ी सहजता से पूछा कि बतौर दर्शक उन्हें अपनी बेटी की कौन-सी फिल्म सबसे ज्यादा पसंद है। नुसरत की मां ने बिना किसी झिझक के 'सोनू के टीटू की स्वीटी' और 'अकेली' का नाम लिया।

स्टारडम की चाहत ने डगमगा दिया था विवान शाह का करियर

साल 2011 में आई 'सात खून माफ', 'हैप्पी न्यू ईयर', और 'बॉम्बे वेलवेट' जैसी बड़ी फिल्मों में रोल पाने वाले विवान शाह भले ही फिल्मी बैकग्राउंड से आते हैं, लेकिन उन्हें फिल्में अपनी मेहनत के बलबूते पर मिली हैं। 'सात खून माफ' से काम करने के बाद उन्हें बैक टू बैक तीन फिल्में मिली थीं, जिसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। वे नसीरुद्दीन शाह और रत्ना पाठक के बेटे हैं। विवान ने हमेशा अपने पिता को कला और एक्टिंग के प्रति समर्पित देखा और यही वजह रही थी कि वे भी कला और एक्टिंग को अपनी पूजा मानते हैं, लेकिन एक समय ऐसा आया, जहां अभिनेता को पछतावा हुआ कि उन्होंने अपने माता-पिता की बात क्यों नहीं मानी थी।

प्यार में धोखे मिलने के बाद रिश्तों को लेकर क्या सोचती हैं रश्मि देसाई

टीवी सीरियल 'उतरन' में तपस्या ठाकुर बनकर फेमस होने वाली रश्मि देसाई अपने नए चैट शो 'रश्मि दिल से दिल तक' को लेकर छाई हुई हैं। अभिनेत्री का शो टीवी स्टार्स के निजी जीवन के बारे में दर्शकों को गहराई से बताएगा, लेकिन असल जिंदगी में खुद इतने सारे धोखे खाने के बाद प्यार और शादी के बारे में रश्मि की राय काफी अलग है। अभिनेत्री का कहना है कि अगर वो किसी के साथ इमोशनली इंवॉल्व होती हैं, तो अपना सब कुछ दे सकती हैं। एक्टर नंदीश संधू से टूटी शादी और कई लड़कों को डेट करने के बाद भी रश्मि देसाई आज भी सही पार्टनर की तलाश में हैं। उन्होंने शोएब इब्राहिम और दीपिका कक्कड़ के रिश्ते को लेकर कहा कि दोनों हमेशा मुस्कुराते रहते हैं लेकिन उन दोनों ने जिंदगी में काफी कुछ झेला है। दोनों ने हर मोड़ पर एक दूसरे का साथ दिया है और यही वजह है कि वे परफेक्ट कपल हैं, जो इमोशनली और प्रैक्टिकली एक दूसरे के साथ हैं। कपल के बीचे के इमोशंस पर बात करते हुए रश्मि देसाई ने कहा कि मैं बहुत प्रैक्टिकल इंसान हूं और मुझे क्रैक कर पाना बहुत मुश्किल है। अगर मैं किसी के साथ इमोशनल पार्ट पर जुड़ी तो उसे अपना दिल, जायदाद, घर और पैसा सब कुछ दे दूंगी क्योंकि मेरे लिए इंसान मैटर करता है, लेकिन अब इतने धोखे खाने के बाद मैंने किसी को अपनी तरफ आने की इजाजत नहीं दी है, लेकिन कहते हैं कि भगवान कोई न कोई रास्ता दिखा ही देता है।

सुकुमार राइटिंग्स ने भारत के बड़े फिल्ममेकर सुकुमार गरु के जन्मदिन पर दिया उन्हें खास सम्मान!

आज सुकुमार गरु के जन्मदिन के अवसर पर, सुकुमार राइटिंग्स ने एक भावपूर्ण पोस्ट साझा करते हुए उस फिल्ममेकर को सम्मानित किया, जिनकी रचनात्मक यात्रा मौलिकता, अनुशासन और निडर कहानी कहने की मिसाल रही है। पुष्पा फ्रैंचाइज़ी ने भले ही उन्हें एक राष्ट्रीय स्तर की पहचान दिलाई हो, लेकिन तेलुगु सिनेमा के दर्शकों के लिए सुकुमार हमेशा बॉक्स-ऑफिस के आंकड़ों से कहीं आगे रहे हैं।

अपने सोशल मीडिया हैंडल पर पोस्ट साझा करते हुए, सुकुमार राइटिंग्स ने लिखा –

https://www.instagram.com/p/DTW-9Z2EdHN/?igsh=NjhhNzJubzNrNwzm

पुष्पा ने भारतीय सिनेमा के इतिहास की सबसे बड़ी ओपनिंग दी, और दुनिया भर में रिकॉर्डतोड़ 294 करोड़

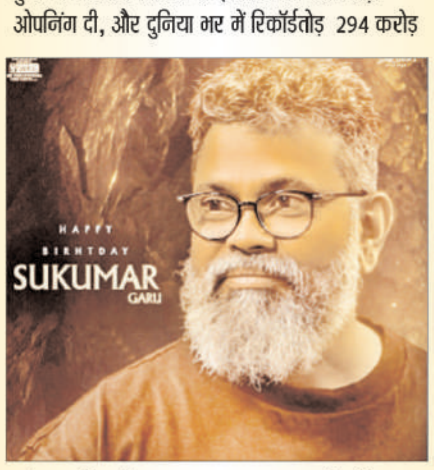

की कमाई करते हुए एक नया मानक स्थापित किया। यह फिल्म सबसे तेज़ी से रू500 करोड़ और रू1,000 करोड़ का आंकड़ा पार करने वाली भारतीय फिल्म बनी, और कई बाज़ारों में स्पीड रिकॉर्ड्स को नए सिरे से परिभाषित किया। हिंदी बेल्ट में पुष्पा ने पहले ही दिन रू 72 करोड़ की शानदार ओपनिंग दर्ज की, जो एक नया ओपनिंग-डे रिकॉर्ड था, और इसके बाद रू830 करोड़ की ऑल-टाइम हिंदी लाइफटाइम कलेक्शन के साथ इतिहास रच दिया। आंकड़ों से परे, पुष्पा एक सांस्कृतिक आंदोलन बनकर उभरी और भारतीय सिनेमा के इतिहास में अपनी स्थायी छाप छोड़ गई। मजबूत लेखन और नए टैलेंट पर आधारित प्रोजेक्ट्स को समर्थन देते हुए, इस बैनर ने कुमारी 21 F, उप्पेना, विरुपाक्षा और 18 पेजेस जैसी फिल्में दी हैं, जो सुकुमार के अर्थपूर्ण और आइडिया-ड्रिवन सिनेमा में विश्वास को दर्शाती हैं। पुष्पा 2: द रूल की रिलीज ने सुकुमार को अभूतपूर्व ऊंचाइयों तक पहुंचाया। यह फिल्म भारत और विदेशों में रिकॉर्ड तोड़ते हुए एक सांस्कृतिक क्षण बन गई। आंकड़ों से कहीं बढ़कर, इस फिल्म ने एक बार फिर यह साबित किया कि सुकुमार ऐसे फिल्ममेकर हैं जो मजबूत क्राफ्ट और दृढ़ विश्वास के साथ मास अपील को बेहतरीन ढंग से संतुलित करते हैं। आगे देखते हुए, सुकुमार तेलुगु सिनेमा के भविष्य को लगातार आकार दे रहे हैं। राम चरण अभिनीत पेड्डी सुकुमार राइटिंग्स के बैनर तले उनकी रचनात्मक देखरेख में बन रही है, वहीं कार्तिक दंडु द्वारा निर्देशित बहुप्रतीक्षित वृषकर्मा भी उनकी मजबूत रचनात्मक छाप के साथ आगे बढ़ रही है।

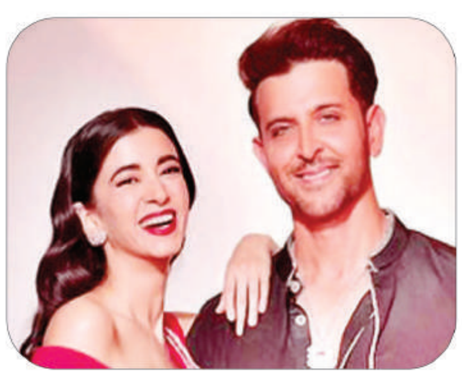

सबा आजाद ने ऋतिक रोशन को जन्मदिन की बधाई दी

अभिनेत्री सबा आजाद ने बॉलीवुड अभिनेता और अपने साथी ऋतिक रोशन के 52वें जन्मदिन पर उन्हें बधाई दी तथा सोशल मीडिया पर एक संदेश साझा किया। सबा ने शनिवार को इंस्टाग्राम पर ऋतिक के साथ अपनी तस्वीरें साझा कीं और कैप्शन में लिखा, दुनिया में मुझे सबसे ज्यादा खुशी तुम्हें खुश देखकर मिलती है। उन्होंने लिखा, साल के सबसे खास दिन पर मैं तुम्हारे लिए खुशी, सुकून भरे दिन, रचनात्मक काम, तुम्हारी प्रतिभा के अनुरूप कार्य, सोचने पर मजबूर करने वाली किताबें, दोस्तों और परिवार के साथ समय और अंतहीन शांति की कामना करती हूं। जन्मदिन मुबारक हो। मैं तुमसे प्यार करती हूं। सबा और ऋतिक ने वर्ष 2022 में अपने रिश्ते को सार्वजनिक किया था। इससे पहले ऋतिक की शादी इंटीरियर डिजाइनर और उद्यमी सुजैन खान से हुई थी। दोनों ने वर्ष 2000 में विवाह किया था और 2014 में उनका तलाक हो गया था। ऋतिक रोशन की हालिया फिल्म वॉर 2 अगस्त 2025 में रिलीज हुई थी। अयान मुखर्जी के निर्देशन में बनी इस फिल्म में जूनियर एनटीआर और कियारा आडवाणी भी प्रमुख भूमिकाओं में थे। यह वर्ष 2019 में आई फिल्म वॉर का दूसरा संस्करण था, जिसमें ऋतिक ने कबीर का किरदार निभाया था।वहीं, सबा आज़ाद हाल ही में सॉन्‍स ऑफ पैराडाइज़ में नजर आई थीं। यह फिल्म कश्मीरी गायिका राज बेगम के जीवन से प्रेरित है और अगस्त में अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई थी।

आईएस बनने का सपना छोड़ टीवी की दुनिया में छाई ये एक्ट्रेस

कमाई इतनी की छह पीढ़ियों को भी नहीं करना पड़ेगा काम

टीवी और फिल्मों की चमक-दमक के पीछे कई ऐसी कहानियां छुपी होती हैं जो कम ही लोग जानते हैं। ऐसी ही एक कहानी है एक्ट्रेस साक्षी की, जिसने कभी आईएस बनने का सपना देखा था। लेकिन किस्मत उन्हें छोटे पर्दे तक ले आई। आज एक्ट्रेस साक्षी न सिर्फ करोड़ों की मालकिन हैं बल्कि अपनी सादगी और समझदारी भरी जिंदगी के लिए भी जानी जाती हैं। फिल्म और टीवी की दुनिया ऐसी है जहां सही मौके मिल जाएं तो इंसान अपनी पूरी जिंदगी सेट कर सकता है। ऐसी ही एक्ट्रेस साक्षी हैं जिन्होंने कुछ मौकों को अपनी मेहनत और समझदारी से बड़ी कामयाबी में बदला । हाल ही में उनके को-स्टार राम कपूर ने खुलासा किया कि साक्षी के पास इतनी दौलत है कि वो छह पीढ़ियों तक आराम से चल सकती है। ये बात सुनकर फैंस भी हैरान रह गए। 'कहानी घर घर की' और 'बालिका वधू' जैसे हिट शोज में नजर आ चुकी साक्षी आज भी टीवी की सबसे पसंदीदा एक्ट्रेसेस में गिनी जाती हैं।

गायों के सेवा के लिए आगे आए सोनू सूद, 22 लाख का दान देकर फिर जीता दिल

सोनू सूद ने गुजरात की वराही गौशाला को गायों की देखभाल और उनके बेहतर जीवन के लिए 22 लाख रुपये दान किए । इसी तरह के नेक कामों की वजह से लोग उन्हें ऑफ स्क्रीन रियल हीरो कहते हैं। बॉलीवुड एक्टर सोनू सूद एक बार फिर अपने अच्छे काम से लोगों का दिल जीत रहे है। गायों की देखभाल और उनके बेहतर जीवन के लिए दिया गया ये सहयोग उनकी संवेदनशील सोच को दिखाता है। सोनू सूद ने बिना किसी दिखावे के ये मदद की लेकिन उनकी इस पहल ने लोगों का दिल जीत लिया। सोशल मीडिया पर फैंस कह रहे हैं कि यही वजह है कि सोनू सूद को लोग ऑफ स्क्रीन रियल हीरो कहते हैं. कोरोना के समय से ही सोनू सूद लोगों के दिलों में खास जगह बना चुके हैं। कभी मजदूरों को उनके घर तक पहुंचाना तो कभी गरीब बच्चों की पढ़ाई में मदद करना. कभी जरूरतमंदों के इलाज का खर्च उठाना हो, सोनू सूद हर बार आगे खड़े नजर आए हैं। वर्क फ्रंट की बात करें तो सोनू सूद फिल्मों के साथ-साथ अलग-अलग प्रोजेक्ट्स में भी एक्टिव हैं। वो हिंदी, साउथ और कई भाषाओं की फिल्मों में नजर आ चुके हैं।

(साभार एजेंसी)

पीडब्ल्यूएल 5वीं प्रो रेसलिंग लीग 15 जनवरी से

● हरियाणा के ओलिंपिक मेडलिस्ट और हिंद केसरी होंगे आमने-सामने, आधिकारिक टीजर जारी

झज्जर (एजेंसी)। हरियाणा के खिलाड़ियों का दमदार खेल कुश्ती दुनिया में परचम लहरा रहा है। इन्हीं खिलाड़ियों के दम पर पीडब्ल्यूएल प्रो रेसलिंग लीग का 5वीं बार 15 जनवरी से आगाज होने जा रहा है। जिसमें बड़ दिग्गज खिलाड़ी भाग लेने वाले हैं। ओलंपियन अमन सहरावत से लेकर, हिंद केसरी हैवी वेट पहलवान दिनेश भी रेसलिंग लीग के मैदान में उतरेंगे। इस लीग में हरियाणा के बड़े दिग्गज पहलवान आमने सामने होंगे।

प्रो रेसलिंग लीग ने अपने बहुप्रतीक्षित पीडब्ल्यूएल 2026 से पहले आधिकारिक टीजर जारी कर भारत की इस प्रमुख फ्रेंचाइज-आधारित कुश्ती प्रतियोगिता की जबरदस्त वापसी का माहौल तैयार कर दिया है। हिंदी कहानी पर आधारित टीजर में कुलीन कुश्ती की पहचान बन चुके साहस, बलिदान और अथक तैयारी को दर्शाया गया है।

साथ ही इसमें अमन सहरावत, सुजीत कलकल, कलवा गुज्जर, मुकुल दहिया, प्रिया मलिक और अंतिम पंघाल सहित इस खेल के कुछ प्रमुख भारतीय सितारों को भी दिखाया गया है।

भारतीयों में हरियाणा के खिलाड़ी सबसे महंगे

हरियाणा की मिट्?टी से निकले रेसलर आज दुनिया में अपना नाम चमका रहे हैं। हरियाणा के बड़े खिलाड़ियों को रेसलिंग पीडब्ल्यूएल के ऑक्शन में 1 करोड़ 55 लाख में खरीदा गया है। अमन सहरावत को मुंबई ने 51 लाख, अंतिम को यूपी ने 52 लाख, सुजीत को दिल्ली ने 52 लाख और दिनेश धनखड़ को पंजाब की टीम ने 36 लाख में खरीदा है।

पीडब्ल्यूएल अखाड़े में दिखेंगे बड़े रेसलर

जिनमें से दो झज्जर जिले के रहने वाले हैं और तीसरा अंतिम पंघाल हांसी जिला और चौथा सुजीत कलकल दादरी जिले का रहने वाला है। इन खिलाड़ियों के पीडब्ल्यूएल के लिए बोली में बेस प्राइस भी रखे गए थे। उसकी के आधार पर टीमों की ओर से बोली लगाई गई और सुजीत कलकल और अंतिम पंघाल रिकॉर्ड 52-52 लाख रुपए में बिके और अमन सहरावत 51 लाख रुपए में बिका।

वहीं इन खिलाड़ियों में झज्जर जिले का रहने वाला 4 बार के हिंद केसरी रह चुके दिनेश धनखड़ भी चमकते नजर आए और 36 लाख रुपए में बिके। डब्ल्यूपीएल के लिए अलग अलग 6 फेंचाइजी बनी हैं। वहीं सभी के लिए नए रूल भी बनाए गए और भारतीयों को आगे बढ़ाने के लिए इस पीडब्ल्यूएल में उन्हें ही महत्ता भी दी गई है।

टॉप सीड एलिना स्वितोलिना ने ऑकलैंड का खिताब जीता

वेलिंगटन (एजेंसी)। टॉप-सीड एलिना स्वितोलिना ने रविवार को अपना 19वां डब्ल्यूटीए खिताब जीता, उन्होंने न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में एसीबी क्लासिक फाइनल में चीन की वांग शिन्यू को 6-3, 7-6(8) से हराया।

31 साल की यूक्रेनी खिलाड़ी ने सभी चार ब्रेक पॉइंट बचाए, पहले सर्व के 74 प्रतिशत पॉइंट जीते, और मैच का एकमात्र ब्रेक 4-2 पर वांग की सर्विस तोड़कर हासिल किया, जिसके बाद उन्होंने दूसरे सेट का टाईब्रेक जीता। स्वितोलिना ने 2025 के आखिर में चोट के कारण चार मैचों की हार का सिलसिला खत्म करते हुए डब्ल्यूटीए 250 इवेंट में लगातार पांच मैच जीते। एक घंटे और 42 मिनट तक चले मैच के बाद कोर्ट पर स्वितोलिना ने कहा, एक और खिताब जीतना वाकई बहुत अच्छा लग रहा है, खासकर मेरे लिए साल के बहुत अच्छे अंत के बाद। सातवीं वरीयता प्राप्त 24 साल की वांग ने शनिवार को सेमीफाइनल में फिलीपींस की एलेक्जेंड्रा एला को हराकर अपने करियर का दूसरा फाइनल खेला। वह इससे पहले पिछले जून में बर्लिन में घास के कोर्ट पर डब्ल्यूटीए फाइनल में पहुंची थीं, जहां उन्हें चेक खिलाड़ी मार्केटा वोंद्रोसोवा से हार का सामना करना पड़ा था।

डब्ल्यूपीएल 2026 से यास्तिका भाटिया बाहर हुई

● घुटने की सर्जरी से नहीं उबर पाईं, गुजरात जायंट्स ने 50 लाख में खरीदा था

अहमदाबाद (एजेंसी)। विकेटकीपर-बल्लेबाज यास्तिका भाटिया विमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2026 में नहीं खेल पाएंगी। घुटने की लिगामेंट सर्जरी के बाद वह पूरी तरह फिट नहीं हो सकीं। उन्हें पिछले साल हुए मिनी ऑक्शन में

गुजरात जायंट्स ने 50 लाख रुपए में खरीदा था। यास्तिका की इस सीजन में उपलब्धता पहले से ही संदिग्ध थी। उन्होंने अक्टूबर 2025 में घुटने की लिगामेंट सर्जरी करवाई थी। डब्ल्यूपीएल प्रबंधन ने नीलामी से पहले फ्रेंचाइजियों को स्पष्ट कर दिया था कि यदि यास्तिका को खरीदा जाता है और वह टूर्नामेंट से बाहर होती हैं, तो टीम को उनका रिप्लेसमेंट लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी। इसके बावजूद गुजरात जायंट्स और यूपी वॉरियर्स ने उन पर बोली लगाई। अंत में गुजरात जायंट्स ने उन्हें 50 लाख रुपए में अपनी टीम में शामिल किया। गुजरात जायंट्स के कोच माइकल क्लिंगर ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट कर यास्तिका की रिकवरी को लेकर शुभकामनाएं दीं।

नाबालिग शूटर से रेप केस में पुलिस को सबूत मिले

फरीदाबाद में होटल के सीसीटीवी, स्टाफ के बयान, मोबाइल लोकेशन शिकायत से मेल खा रहे

फरीदाबाद (एजेंसी)। फरीदाबाद में 17 साल की नेशनल शूटर के यौन शोषण के मामले में आरोपी नेशनल कोच अंकुश भारद्वाज की मुश्किलें बढ़ती दिख रही हैं। शुरुआती जांच में आरोपी के खिलाफ पुलिस के हाथ कुछ पुख्ता सबूत लगे हैं। महिला थाना इंचार्ज माया ने बताया कि अभी तक की जांच में शूटर की शिकायत, मौके की स्थिति और टाइम लाइन मेल खा रही है। पीड़ित और आरोपी कोच के बीच की कड़ियां एक दूसरे से मैच कर रही हैं। पुलिस ने फाइव स्टार होटल के सीसीटीवी कैमरों को चेक किया। इसमें शूटर के होटल में जाने के फुटेज मिले हैं। आरोपी कोच और लड़की के मोबाइल की लोकेशन भी मैच हुई हैं। दोनों की लोकेशन होटल में एक ही जगह की हैं। होटल के स्टाफ से भी इस केस को लेकर पूछताछ की है। 6 जनवरी को एनआईटी महिला थाने में एफआईआर दर्ज होने के बाद से कोच अंकुश भारद्वाज फरार है। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए 5 टीमें बनाई गई हैं।

19 वर्ल्ड कप 2026 वॉर्म-अप मैच

वैभव ने 50 गेंदों पर 96 रन बनाए

भारत ने स्कॉटलैंड को डकवर्थ-लुईस से 121 रन से हराया

नईदिल्ली (एजेंसी)।

आईसीसी अंडर-19 मेंस क्रिकेट वर्ल्ड कप 2026 से पहले खेले गए वॉर्म-अप मैच में भारत ने स्कॉटलैंड को डीएलएस पद्धति से 121 रन से हरा दिया। यह मुकाबला शनिवार को खेला गया। मैच के हीरो 14 साल के वैभव सूर्यवंशी रहे। उन्होंने सिर्फ 50 गेंदों पर 96 रन की शानदार पारी खेली। इस पारी में उन्होंने 9 चौके और 7 छक्के लगाए। वैभव शतक से सिर्फ चार रन दूर रह गए। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 8 विकेट पर 374 रन बनाए। बारिश के कारण स्कॉटलैंड को 24 ओवर में 234 रन का लक्ष्य मिला। इसके जवाब में स्कॉटलैंड की टीम 9 विकेट पर 112 रन ही बना

सूर्यवंशी के अलावा तीन अन्य बल्लेबाजों ने फिफ्टी लगाए

वैभव सूर्यवंशी के अलावा इस मैच में भारत के लिए विहान मल्होत्रा ने 77, एरन वर्गीज ने 61 और अभिग्यान कुंडू 55 रन बनाए। वहीं, खिलान पटेल ने 4 रन देकर 3 विकेट, दीपेश द्रेवेंद्रन ने 14 रन देकर 3 विकेट लिए।

तंजानिया ने जापान को 81 रन से हराया

अपने पहले अंडर-19 वर्ल्ड कप से पहले तंजानिया ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जापान को 81 रन (डीएलएस पद्धति) से हराकर मजबूत संदेश दिया। टीम के कप्तान लक्ष बकरानिया ने बेहतरीन ऑलराउंड खेल दिखाया और नाबाद 53 रन बनाने के साथ-साथ गेंदबाजी में 2 विकेट भी झटके। तंजानिया की टीम एक समय 17 रन पर 3 विकेट गंवाने के बाद दबाव में थी, लेकिन वहां से शानदार वापसी करते हुए 204/9 के सम्मानजनक स्कोर तक पहुंची। इस दौरान करीम किसेटो ने 34 रन और ऑगस्टीन म्वामेले ने 23 रन का अहम योगदान दिया। जवाब में संशोधित लक्ष्य का पीछा करते हुए जापान की टीम तंजानिया के घातक गेंदबाजी आक्रमण के सामने टिक नहीं सकी और पूरी टीम सिर्फ 45 रन पर ढेर हो गई। गेंदबाजी में रेमंड फ्रांसिस ने 3 रन देकर 7 विकेट झटके, जबकि कप्तान लक्ष बकरानिया ने 13 रन देकर 2 विकेट लेकर टीम की जीत पर मुहर लगा दी।

रस्साकशीः

योद्धाओं के प्रशिक्षण से जुड़ा खेल

● जो लगातार 5 ओलंपिक गेम्स का हिस्सा रहा

नई दिल्ली, एजेंसी। 'रस्साकशी' एक ऐसा पारंपरिक खेल है, जिसमें दो टीमें एक रस्सी के दो अलग-अलग छोर को पकड़कर खींचती हैं। इस खेल में निर्धारित रेखा के पार प्रतिद्वंद्वी टीम को खींचने वाली टीम विजेता होती है। यह खेल ताकत, संतुलन और सामूहिक समन्वय पर आधारित है। इस खेल की खासियत यह है कि इसमें महंगे उपकरण या किसी स्टेडियम की जरूरत नहीं होती। क्या आप जानते हैं कि यह ओलंपिक खेलों का भी हिस्सा रहा है? रस्साकशी के खेल का इतिहास योद्धाओं के प्रशिक्षण से जुड़ा है। भले ही इसकी उत्पत्ति का कोई निश्चित समय या स्थान नहीं है, लेकिन इसके प्रमाण भारत समेत मिस्र, जापान, कोरिया, हवाई, ग्रीस और चीन में पाए गए हैं। कुछ संस्कृतियों में रस्साकशी सिर्फ एक खेल नहीं, बल्कि सामाजिक अनुष्ठानों का भी प्रतीक है। धीरे-धीरे यह खेल अन्य देशों में भी प्रचलित हुआ। 15वीं से 18वीं शताब्दी के बीच फ्रांस और ब्रिटेन में भी यह खेल काफी लोकप्रिय हुआ। 19वीं

सदी के बीच यह नाविकों के बीच प्रचलित हुआ।

रस्साकशी का यह खेल 1900, 1904, 1908, 1912 और 1920 के ग्रीष्मकालीन ओलंपिक का हिस्सा रहा। शुरुआती दो ओलंपिक में इस खेल के दौरान सिर्फ 5-6 सदस्य ही होते थे, जिनमें कोई भारवर्ग नहीं होता था।

शुरुआती ओलंपिक खेलों में कई टीमों में ऐसे खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया जो अन्य स्पर्धाओं में भी हिस्सा ले रहे थे। यही वजह रही कि 1900 के ओलंपिक में यूएसए को अपनी टीम वापस लेनी पड़ी, क्योंकि उसके तीन खिलाड़ी हैमर थ्रोइंग स्पर्धा में भाग ले रहे थे। 1908 ओलंपिक के दौरान इस खेल में विवाद तक हुआ, क्योंकि लिवरपुल पुलिस टीम के खिलाड़ियों ने इतने बड़े और भारी जूते पहने थे कि उन्हें अपने पैर जमीन से भी उठाने में मुश्किल हो रही थी। लिवरपुल टीम ने दलील दी कि यह उनके तयशुदा पुलिस जूते हैं। 1900 में स्वीडन/डेनमार्क ने गोल्ड जीते, जिसके बाद साल 1904 में यूएसए ने गोल्ड अपने नाम किया। इसके बाद ग्रेट ब्रिटेन (1908), स्वीडन (1912) और फिर से ग्रेट ब्रिटेन (1920) ने गोल्ड पर कब्जा जमाया। 1920 के बाद अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने महसूस किया कि खेलों और प्रतिभागियों की संख्या बहुत अधिक थी। ऐसे में रस्साकशी समेत अन्य 33 खेलों को ओलंपिक से हटा दिया गया।

1958 तक ब्रिटेन में एमेच्योर एथलेटिक एसोसिएशन (एएएस) रस्साकशी का आयोजन करवाता था, जिसके बाद 'टग ऑफ वॉर एसोसिएशन' की स्थापना हुई। साल 1960 में रस्साकशी अंतरराष्ट्रीय महासंघ (टीडब्ल्यूआईएफ) की स्थापना हुई।

टी20 वर्ल्ड कप में भारत के लिए अहम होगा ये स्पिनर, गांगुली ने किया खुलासा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली का मानना है कि घर पर टी20 वर्ल्ड कप का खिताब बचाने की भारत की उम्मीदें काफी हद तक इस बात पर निर्भर करेंगी कि वरुण चक्रवर्ती टूर्नामेंट में कैसा प्रदर्शन करते हैं, जो टीम के स्पिन-हैवी बॉलिंग अटैक के महत्व को बताता है।

गांगुली ने बातचीत में भारत की तैयारियों के बारे में संक्षेप में बात करते हुए इस पर जोर दिया कि घरेलू परिस्थितियां अच्छी स्पिन बॉलिंग को और भी ज्यादा महत्वपूर्ण बनाती हैं और उन्हें लगता है कि भारत इस ग्लोबल इवेंट में इसके लिए अच्छी तरह से तैयार है। गांगुली ने कहा, 'हां, इससे बड़ा कुछ नहीं हो सकता (घरेलू वर्ल्ड कप) और भारत हमेशा मेरी पसंदीदा टीम है। उनके पास एक मजबूत स्पिन अटैक है और अगर चक्रवर्ती फिट हैं तो यह भारत के लिए अच्छा है।'

24 छक्के, 24 चौके ठोके, 70 बल्लेबाजों के बीच बना नंबर 1

टी20 वर्ल्ड कप टीम से बाहर होने वाले ने...

नई दिल्ली, एजेंसी। साउथ अफ्रीका टी20 लीग में एक खिलाड़ी ऐसा है, जिसकी धूम मची है. नाम है- रायन रिकल्टन, जिन्होंने 70 बल्लेबाजों के बीच खुद को नंबर 1 साबित किया है. अब आप सोच रहे होंगे कि रायन रिकल्टन ने कैसे 70 बल्लेबाजों को पीछे छोड़ दिया और नंबर 1 बन गए? इसका जवाब ऽ20 में किसी भी बल्लेबाज के जमाए छक्के, चौके, शतक और रन से है. रायन रिकल्टन इन चारों मामले में सबसे बढ़कर हैं. सीधे शब्दों में कहें तो ऽ20 के मौजूदा सीजन में बल्लेबाजी कर चुके 70 बल्लेबाजों के बीच रायन रिकल्टन सबसे ज्यादा रन, सबसे ज्यादा छक्के-चौके और सबसे ज्यादा शतक जमाने वाले बल्लेबाज हैं.

रायन रिकल्टन ने कौन सा इतिहास रचा?

70 बल्लेबाजों के बीच अपनी धाक जमाने के दौरान ही रायन रिकल्टन ने एस20 में इतिहास भी रचा है. वो अब इस टी20 लीग के इतिहास में 2 शतक जमाने वाले पहले खिलाड़ी बन गए है. मतलब ये कि वो टी20 में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले खिलाड़ी हैं. कमाल की बात ये है कि रायन रिकल्टन ने टी20 में अपने दोनों शतक मौजूदा सीजन में ही लगाए हैं.

टी20 में रिकल्टन ने कब-कब शतक जड़े?

रायन रिकल्टन ने अपना पहला शतक 26 दिसंबर 2025 को डर्बन सुपर जायंट्स के खिलाफ खेले मुकाबले में बनाया था. केप टाउन के बल्लेबाज ने तब 63 गेंदों पर 11 छक्कों की मदद से 113 रन बनाए थे. हालांकि, इस मैच में 233 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए वो अपनी टीम को जीत नहीं दिला पाए थे. केप टाउन के ओपनर ने अपना दूसरा सैंकड़ा टी20 में जोहानिसबर्ग सुपर किंग्स के खिलाफ जड़ा. 10 जनवरी 2026 को खेले इस मैच में उन्होंने 60 गेंदों पर नाबाद 113 रन बनाए, जिसमें 9 छक्के शामिल रहे. रिकल्टन के शतक का असर ये हुआ कि मैच में पहले बल्लेबाजी कर रही केप टाउन ने 20 ओवर में 234 रन का बड़ा स्कोर बनाया, जिसके आगे जोहानिसबर्ग सुपर किंग्स ने दम तोड़ दिया.

ईरान की चेतावनी : अगर हमला हुआ तो अमेरिका और इजराइल को निशाना बनाएंगे

» दुबई, भाषा।

ईरान में देशव्यापी प्रदर्शन रविवार को राजधानी और देश के दूसरे बड़े शहर में भी फैल गए। दो सप्ताह से जारी प्रदर्शन के दौरान हिंसा में अब तक कम से कम 116 लोग मारे गए हैं। प्रदर्शन के मद्देनजर ईरान में इंटरनेट और फोन लाइन काट दी गई है, जिससे प्रदर्शन का वास्तविक अनुमान लगाने में मुश्किल आ रही है। अमेरिका स्थित ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट्स न्यूज एजेंसी के अनुसार, प्रदर्शनों में मरने वालों की संख्या बढ़कर कम से कम 116 हो गई है और 2,600 से अधिक लोगों को हिरासत में लिया गया है। ईरान की संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाकिर कालिबाफ ने रविवार को चेतावनी दी कि अगर अमेरिका इस्लामिक गणराज्य पर हमला करता है, तो अमेरिकी सेना और इजराइल उसका वैध निशाना बनेंगे।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान में जारी प्रदर्शनों को लेकर हमले की धमकी दी है। कालिबाफ की टिप्पणियों से पहली बार यह संकेत मिलता है कि उन्होंने ईरानी हमले के संभावित लक्ष्यों की सूची में इजराइल को भी शामिल किया है। कट्टरपंथी नेता कालिबाफ ने यह धमकी तब दी, जब ईरान की संसद में सांसद अमेरिका मुर्दाबाद के नारे लगाते हुए आसन के समीप पहुंच गए। सूचना पर लगी रोक से ईरान की सुरक्षा सेवाओं के भीतर के कट्टरपंथियों को खूनी कार्रवाई शुरू करने का हौसला मिलेगा। हालांकि, ट्रंप ने चेताया है कि वह शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों की रक्षा के लिए ईरान पर हमला करने को तैयार हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रदर्शनकारियों को समर्थन देते हुए सोशल मीडिया पर कहा, ईरान आजादी चाहता है, जो शायद उसने पहले कभी नहीं देखी थी। अमेरिका मदद के लिए तैयार है। न्यूयॉर्क टाइम्स और वॉल स्ट्रीट जर्नल ने अज्ञात अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से शनिवार रात को बताया कि ट्रंप को ईरान पर हमले के लिए सैन्य विकल्प दिए गए थे, लेकिन उन्होंने अब तक अंतिम निर्णय नहीं लिया है। अमेरिकी विदेश विभाग ने चेताया, राष्ट्रपति ट्रंप के साथ पैंतरेबाजी न करें। जब वह कुछ करने का वादा करते हैं, तो वह उसे पूरा करने का वादा करते हैं। ईरानी सरकारी टेलीविजन ने संसद सत्र का सीधा प्रसारण किया। कट्टरपंथी नेता कालिबाफ ने अपने संबोधन में पुलिस और ईरान के अर्द्धसैन्य बल रिवोल्यूशनरी गार्ड, विशेष रूप से उसके स्वयंसेवी बासिज की प्रदर्शनों के दौरान दृढ़ता से खड़े रहने के लिए प्रशंसा की। कालिबाफ ने कहा, ईरान के लोगों को पता होना चाहिए कि हम उनके साथ सबसे सख्त तरीके से निपटेंगे और गिरफ्तार किए गए लोगों को दंडित करेंगे। उन्होंने इजराइल और अमेरिका को चेताते हुए कहा, ईरान पर हमले की स्थिति में, कब्जे वाले क्षेत्र और इस क्षेत्र में स्थित सभी अमेरिकी सैन्य केंद्र, अड्डे और जहाज हमारे वैध लक्ष्य होंगे। कालिबाफ ने कहा, हम केवल कार्वाई के बाद प्रतिक्रिया देने तक सीमित नहीं रहेंगे। हम किसी भी खतरे के स्पष्ट संकेत मिलने पर तुरंत कार्रवाई करेंगे। अमेरिकी सेना ने कहा है कि मध्य-पूर्व में वह अपनी सेनाओं, अपने साझेदारों और सहयोगियों और अमेरिकी हितों की रक्षा के लिए सेनाओं के साथ तैनात है। इजराइल अमेरिका और ईरान के बीच तनाव पर करीब से नजर रख रहा है। इजराइल के अधिकारी ने बताया कि इजराइल प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो से ईरान सहित कई विषयों पर बातचीत की। ऑनलाइन वीडियो, जिनके लिए संभवतः स्टारलिंक सैटेलाइट ट्रांसमीटर का इस्तेमाल किया गया, में देखा गया कि उत्तरी तेहरान के पुनाक में प्रदर्शनकारी इकट्ठा हुए। वीडियो में ऐसा प्रतीत होता है कि अधिकारियों ने कुछ सड़कों को बंद कर दिया, जबकि प्रदर्शनकारी अपने मोबाइल फोन की लाइट लहराते दिखे।

प्रदर्शनकारियों की बात सुनेंगे, लेकिन समाज को तबाह करने की अनुमति नहीं देंगे- ईरान के राष्ट्रपति

दुबई। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने कहा है कि अधिकारी प्रदर्शनकारियों की बात सुनेंगे, लेकिन प्रदर्शनकारी पूरे इस्लामी गणराज्य में फैल रहे हैं और दंगाई पूरे समाज को तबाह करने का प्रयास कर रहे हैं। पेजेश्कियन की टिप्पणियां उनके कठोर रुख को दर्शाती हैं, जो अब तक जनता को शांत करने में असमर्थ रहे हैं। देश की खराब अर्थव्यवस्था को लेकर आक्रोश देश की धर्म आधारित व्यवस्था के लिए एक सीधी चुनौती में तब्दील हो गया है। राष्ट्रपति ने कहा, लोगों को चिंताएं हैं, हमें उनके साथ बैठकर उनकी चिंताओं का समाधान करना चाहिए। अगर यह हमारा कर्तव्य है, तो हमें उनकी चिंताओं को दूर करना चाहिए। लेकिन इससे भी बड़ा कर्तव्य यह है कि हम दंगाइयों के एक समूह को आकर पूरे समाज को तबाह करने की अनुमति न दें। ईरान के सरकारी टेलीविजन ने रविवार को राष्ट्रपति का साक्षात्कार प्रसारित किया। पहले इसे शनिवार को प्रसारित किए जाने की संभावना थी।

अमेरिका ने सीरिया में आईएसआईएस के खिलाफ फिर जवाबी हमले शुरू किए

वाशिंगटन, भाषा। अमेरिका ने पिछले महीने सीरिया में हुए हमले में अपने दो सैनिकों और एक दुभाषिए की मौत के बाद इस्लामिक स्टेट के खिलाफ फिर से जवाबी हमले शुरू किए हैं। अमेरिकी केंद्रीय कमान के अनुसार, अमेरिका और सहयोगी बलों द्वारा किए गए ए व्यापक हमले पूर्वी समयानुसार दोपहर साढ़े 12 बजे के आसपास हुए। इन हमलों में सीरिया भर में इस्लामिक स्टेट के कई ठिकानों को निशाना बनाया गया। शनिवार के हमले एक व्यापक अभियान के तहत किए गए जो अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की आईएसआईएस के उस घातक हमले के जवाब में शुरू की गई कार्रवाई का हिस्सा है जिसमें पिछले महीने पल्मायरा में सार्जेंट एडगर ब्रायन टोरेस-टोवर, सार्जेंट विलियम नथानिएल हॉवर्ड और दुभाषिया अयाद मंसूर सकात की मौत हो गई थी।

2,600 से अधिक लोगों को हिरासत में लिया गया

ईरान में प्रदर्शन में मरने वालों की संख्या बढ़कर 116 हुई : मानवाधिकार संस्था

» दुबई, भाषा।

ईरान में राष्ट्रव्यापी विरोध प्रदर्शन रविवार को भी जारी रहे। दो सप्ताह से जारी इन विरोध प्रदर्शनों के दौरान हुई हिंसा में मरने वालों की संख्या बढ़कर कम से कम 116 हो गई है। अमेरिका की एक मानवाधिकार संस्था ने यह जानकारी दी। प्रदर्शन के मद्देनजर ईरान में इंटरनेट और फोन लाइन काट दी गई है, जिससे प्रदर्शन का वास्तविक अनुमान लगाने में मुश्किल आ रही है। हालांकि, अमेरिका स्थित ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट्स न्यूज़ एजेंसी के अनुसार, प्रदर्शनों में मरने वालों की संख्या बढ़कर कम से कम 116 हो गई है और 2,600 से अधिक लोगों को हिरासत में लिया गया है।

ईरान का सरकारी टीवी प्रदर्शनकारियों को आतंकवादी के रूप में चित्रित कर रहा है और सुरक्षा बलों के कर्मियों के हताहत होने की जानकारी दे कर रहा है। हालांकि, इसने यह भी स्वीकार किया कि विरोध प्रदर्शन रविवार सुबह तक जारी रहे। इसने तेहरान और उत्तर-पूर्व में स्थित शहर मशहद में प्रदर्शन होने की जानकारी दी। अमेरिका की चेतावनियों के बावजूद, ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने कड़ी कार्रवाई के संकेत दिए हैं। ईरान के अटॉर्नी जनरल मोहम्मद मोवाहेदी आजाद ने शनिवार को चेतावनी दी कि प्रदर्शनों में भाग लेने वाले किसी भी व्यक्ति को अल्लाह का शत्रु माना जाएगा और इसके लिए मृत्युदंड का भी प्रावधान है। ईरान के सरकारी टेलीविजन द्वारा प्रसारित बयान में कहा गया है कि दंगाइयों की मदद करने वालों को भी इस आरोप का सामना करना पड़ेगा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रदर्शनकारियों को समर्थन देते हुए सोशल मीडिया पर कहा, ईरान आजादी चाहता है जो शायद उसने पहले कभी नहीं देखी थी। अमेरिका मदद के लिए तैयार है। न्यूयॉर्क टाइम्स और वॉल स्ट्रीट जर्नल ने अज्ञात अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से शनिवार रात को बताया कि ट्रंप को ईरान पर हमले के लिए सैन्य विकल्प दिए गए थे लेकिन उन्होंने अब तक अंतिम निर्णय नहीं लिया है।

रूस के वोरोनेझ शहर में ड्रोन हमले में एक महिला की मौत, तीन लोग घायल

मॉस्को, भाषा। यूक्रेन के एक ड्रोन हमले में रूस के वोरोनेझ शहर में एक महिला की मौत हो गई और तीन घायल हो गए। स्थानीय अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। क्षेत्रीय गवर्नर अलेक्ज़ेंडर गुसेव ने टेलीग्राम पर बताया कि शनिवार को हुए हमले के दौरान ड्रोन का मलबा एक घर पर गिरने से घायल हुई एक युवती की अस्पताल के गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में इलाज के दौरान रात को मौत हो गई। उन्होंने बताया कि तीन लोग घायल हुए हैं और 10 से अधिक अपार्टमेंट इमारतों, निजी घरों तथा एक उच्च विद्यालय को नुकसान पहुंचा है। उन्होंने यह भी बताया कि वायु रक्षा प्रणालियों ने वोरोनेझ के ऊपर 17 ड्रोन मार गिराए। यह शहर लगभग 10 लाख से अधिक आबादी वाला है और यूक्रेनी सीमा से करीब 250 किलोमीटर दूर स्थित है। यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब इसके एक दिन पहले रूस ने शुक्रवार तड़के यूक्रेन पर सैकड़ों ड्रोन और दर्जनों मिसाइल दागीं। यूक्रेनी अधिकारियों के अनुसार, इस हमले में राजधानी कीव में कम से कम चार लोगों की मौत हुई। भीषण हमलों की यह श्रृंखला और परमाणु क्षमता वाली ओरेश्निक मिसाइल का प्रक्षेपण ऐसे समय में हुआ है, जब अमेरिका के नेतृत्व में संभावित शांति समझौते की स्थिति में मॉस्को की आक्रामकता से यूक्रेन की रक्षा को लेकर कीव और उसके सहयोगियों के बीच वार्ताओं में महत्वपूर्ण प्रगति की खबरें सामने आई थीं। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने शनिवार को अपने रात्रिकालीन संबोधन में कहा कि यूक्रेनी वार्ताकार अमेरिकी पक्ष के साथ संवाद जारी रखे हुए हैं। उन्होंने बताया कि मुख्य वार्ताकार रुस्तम उमेरोव शनिवार को अमेरिकी साझेदारों के संपर्क में थे। इसी बीच, यूक्रेन के जनरल स्टाफ ने कहा कि रविवार तड़के रूस ने यूक्रेन को निशाना बनाकर 154 ड्रोन दागे, जिनमें से 125 को मार गिराया गया।

न्यूज ब्रीफ

मिसीसिपी में एक युवक ने छह लोगों की हत्या की

» वेस्ट प्वाइंट (अमेरिका), भाषा।

अमेरिका के मिसिसिपी राज्य के एक ग्रामीण इलाके में 24 वर्षीय युवक ने तीन अलग-अलग स्थानों पर छह लोगों की हत्या कर दी। मृतकों में उसका पिता, भाई, दो रिश्तेदार, एक गिरजाघर के पादरी और पादरी के भाई शामिल हैं। आरोपी डारिका एम. मूर को शुक्रवार देर रात लगभग बारह बजे से पहले सीडरब्लफ में एक पुलिस नाके पर गिरफ्तार किया गया। इससे पहले स्थानीय, राज्य और संघीय एजेंसियों के दर्जनों अधिकारी उत्तर-पूर्वी मिसिसिपी क्षेत्र में तैनात कर दिए गए थे। मूर को सोमवार को अदालत में पेश किए जाने की संभावना है। क्ले काउंटी के डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी स्कॉट कोलम ने कहा कि वह मृत्युदंड की मांग करेंगे। क्ले काउंटी के शेरिफ एडी स्कॉट ने कहा कि साक्ष्यों और गवाहों से स्पष्ट है कि मूर अकेला हमलावर था और किसी अन्य के घायल होने की सूचना नहीं है।

जांचकर्ता अभी उससे पूछताछ कर रहे हैं, लेकिन हमले के पीछे की मंशा स्पष्ट नहीं है। जांचकर्ताओं के अनुसार, मूर ने शुक्रवार को सबसे पहले पश्चिमी क्ले काउंटी में अपने परिवार के एक अस्थाई मकान में अपने पिता ग्लेन मूर (67), भाई क्विंटन मूर (33) और एक रिश्तेदार विली एड गाइन्स (55) की हत्या की। इसके बाद वह अपने भाई का ट्रक लेकर एक रिश्तेदार के घर गया, जहां उसने जबरन अंदर घुसकर यौन अपराध का प्रयास किया और सात साल की बच्ची की गोली मारकर हत्या कर दी। जहां उसने पादरी बैरी ब्रैडली और उनके भाई सैमुअल ब्रैडली की हत्या कर दी। चार घंटे से अधिक समय बाद उसे पुलिस ने पकड़ लिया।

शंघाई में मनाया गया विश्व हिंदी दिवस, चीनी शिक्षकों और छात्रों ने लिया हिस्सा

» बीजिंग, भाषा।

चीन के शंघाई स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने विश्व हिंदी दिवस का आयोजन किया जिसमें इस देश के पूर्वी हिस्से में स्थित शीर्ष विश्वविद्यालयों के हिंदी के छात्रों और शिक्षकों ने हिस्सा लिया। शंघाई में भारत के महावाणिज्यदूत प्रतीक माथुर ने शनिवार को आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि हिंदी हमें सीमाओं से परे जोड़ती है। वाणिज्य दूतावास के सोशल मीडिया मंच एक्स पर स्थित आधिकारिक हैंडल से किए गए पोस्ट के मुताबिक, माथुर ने हिंदी की गरिमा और गौरव को उजागर करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का राष्ट्र के नाम संदेश पढ़ा, हिंदी केवल एक भाषा नहीं है, बल्कि एक शक्तिशाली कड़ी है जो भारत की संवेदनशीलता, मूल्यों और विचारों को दुनिया तक पहुंचाती है।

इसमें कहा गया है कि पूर्वी चीन के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों - फुदान विश्वविद्यालय, शंघाई अंतरराष्ट्रीय अध्ययन विश्वविद्यालय और पूर्वी चीन सामान्य विश्वविद्यालय के छात्रों और शिक्षकों ने वहां मौजूद लोगों के बीच अपनी रचनात्मक कृतियों और विचारों को साझा किया।चीन के कई विश्वविद्यालयों में हिंदी को नियमित पाठ्यक्रम के रूप में पढ़ाया जाता है। इस समारोह में बड़ी संख्या में भारतीय प्रवासी सदस्यों के साथ-साथ शंघाई स्थित राजनयिक समुदाय ने भी भाग लिया। इस कार्यक्रम में शंघाई रंगमंच अकादमी के बच्चों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और भरतनाट्यम की प्रस्तुति भी शामिल थी।

कई दिन तक हिंसक झड़प के बाद कुर्द लड़ाकों को अलेप्पो से दूसरे स्थानों पर भेजा गया

» अलेप्पो, भाषा।

सीरिया के उत्तरी शहर अलेप्पो के एक विवादित इलाके से कुर्द लड़ाकों को दूसरी जगह भेज दिया गया। अधिकारियों ने रविवार तड़के यह जानकारी दी। इस घटनाक्रम के बाद सरकार समर्थित बलों के साथ कई दिन से जारी हिंसक झड़पों को खत्म करने में मदद मिल सकती है। सरकारी समाचार एजेंसी सना के अनुसार, बसों के जरिए अलेप्पो के शेख मकसूद इलाके से आखिरी कुर्द लड़ाकों को पूर्वोत्तर सीरिया भेज दिया गया।

यह इलाका कुर्द नेतृत्व वाली सीरियन डेमोक्रेटिक फोर्सेज़ के नियंत्रण में है। एसडीएफ कमांडर मजलूम अब्दी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, अलेप्पो में हमारे लोगों के खिलाफ हमलों को रोकने के लिए अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता के जरिए हम एक समझौते पर पहुंचे, जिसके तहत संघर्षविराम हुआ और अचरफीह व शेख मकसूद इलाकों से शहीदों, घायलों, फंसे हुए नागरिकों और लड़ाकों को सुरक्षित रूप से उत्तरी और पूर्वी सीरिया ले जाया गया।

भारत सिंगापुर स्थित जहाज सुरक्षा एजेंसी के साथ अपने संबंधों को और गहरा करेगा

» सिंगापुर, भाषा।

एशिया में समुद्री जहाजों में डकैती और हथियारबंद लूटपाट से निपटने के लिए क्षेत्रीय सहयोग (आरईसीएएपी) के संस्थापक सदस्य के रूप में भारत समूह के सिंगापुर स्थित सूचना साझाकरण केंद्र (आईएससी) के साथ अपने जुड़ाव को और गहरा करेगा। समूह के कार्यकारी निदेशक विजय डी चाफेकर ने यह जानकारी दी।

चाफेकर ने शनिवार को बताया, हम एशिया में सुरक्षित समुद्रों (नौवहन) को बढ़ावा देने के लिए आरईसीएएपी के भारतीय केंद्र बिंदु, समुद्री बचाव समन्वय केंद्र (एमआरसीसी) के साथ घनिष्ठ सहयोग की उम्मीद करते हैं। भारत 21 देशों के आरईसीएएपी के संस्थापक सदस्यों में से एक है, जिसे समुद्री सुरक्षा और जहाज सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए एक क्षेत्रीय, सरकार-से-सरकार संस्था के रूप में स्थापित किया गया था। चाफेकर ने कहा कि इस समूह में एशिया के बाहर के देश भी रुचि दिखा रहे हैं। भारतीय तटरक्षक बल के सेवानिवृत्त अतिरिक्त महानिदेशक ने कहा, जहाजों पर होने वाले अधिकतर हमले अब इंजन और मशीनरी के पुर्जों की चोरी के लिए होते हैं, जिनकी समानांतर बाजारों में मांग है। हाल के वर्षों में चालक दल के अपहरण या जहाजों के अपहरण की कोई घटना नहीं हुई है। वह तीन साल से आरईसीएएपी की अगुवाई कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आरईसीएएपी अब अपनी स्थापना के 20 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में समारोह मनाने की तैयारी कर रहा है जो मार्च में सिंगापुर में आयोजित होगी। इसमें सदस्य देशों के प्रतिनिधि एजेंसी की भविष्य की योजनाओं पर चर्चा करेंगे। उन्होंने कहा कि सिंगापुर फोरम में उच्च स्तरीय भारतीय प्रतिनिधिमंडल की उपस्थिति की उम्मीद है। चाफेकर ने कहा, हालांकि सबसे कमजोर कड़ी अब भी मलक्का और सिंगापुर जलडमरूमध्य (एसओएमएस) है, जहां 2025 में समुद्री डकैती की घटनाएं बढ़ी हैं, हालांकि ये ज्यादातर छोटी-मोटी चोरी के मामले थे। उन्होंने बताया कि भारतीय बंदरगाहों के आसपास घटनाओं में हल्की बढ़ोतरी हुई है। काकीनाडा में दो और कांडला में एक मामला दर्ज हुआ। आरईसीएएपी आईएससी के आंकड़ों के अनुसार, 2024 में भी भारतीय बंदरगाहों पर ऐसी दो घटनाएं हुई थीं। चाफेकर ने कहा कि काकीनाडा में हुए हमलों में से एक के अपराधियों की गिरफ्तारी से भारतीय जलक्षेत्र में इस तरह की घटनाओं में कमी आई है।

चक्रवात प्रभावित श्रीलंका में भारत की वित्तीय मदद से तैयार पहला बेली ब्रिज यातायात के लिए खोला गया

कोलंबो, भाषा। चक्रवात प्रभावित श्रीलंका में भारत की वित्तीय मदद से तैयार पहला बेली ब्रिज रविवार को यातायात के लिए खोल दिया गया। कोलंबो स्थित भारतीय उच्चायोग ने यह जानकारी दी। उच्चायोग ने बताया कि 100 फुट लंबे इस बेली ब्रिज का निर्माण भारतीय सेना ने किया है और इसके खुलने से मध्य प्रांत व उवा प्रांत के बीच एक महत्वपूर्ण सडक् संपर्क बहाल हो गया। बेली ब्रिज आसानी से ले जाए जाने योग्य एक पूर्वनिर्मित पुल होता है, जिसके हिस्सों को तेजी से जोडक्र पुल का रूप दिया जाता है। उच्चायोग ने एक्स पर पोस्ट किया, संपर्क बहाल करते हुए चक्रवात दितवा के बाद पुनर्निर्माण के लिए भारत की ओर से दिए गए सहायता पैकेज के तहत निर्मित पहला बेली ब्रिज यातायात के लिए खोल दिया गया है।

नेपाल में राजशाही समर्थकों ने निकाली रैली

राजा को फिर से बहाल करने की मांग की

» काठमांडू, भाषा।

नेपाल में राजशाही के समर्थकों ने रविवार को राजधानी में रैली निकाली और मार्च में होने वाले चुनावों से पहले राजा की बहाली की मांग की। असंतुष्ट जेन-जेड युवाओं द्वारा सितंबर में किए गए हिंसक प्रदर्शनों की के बाद अंतरिम सरकार का गठन हुआ और मार्च में नए संसदीय चुनाव होने हैं। जेन-जेड आंदोलन के बाद अपदस्थ राजा ज्ञानेंद्र के समर्थकों द्वारा यह पहली रैली थी। रैली में शामिल लोग 18वीं शताब्दी में शाह वंश की शुरुआत करने वाले राजा पृथ्वी नारायण शाह की प्रतिमा के चारों एकत्र हुए और हम अपने राजा से प्यार करते हैं। राजा को वापस लाओ के नारे लगाए।

अंतिम शाह राजा ज्ञानेंद्र को पद छोड़ने के लिए मजबूर किया गया था, और 2008 में राजशाही आधिकारिक रूप से समाप्त कर देश को गणतंत्र घोषित कर दिया। प्रदर्शन में सम्राट थापा ने कहा,

इस देश के लिए अंतिम और एकमात्र विकल्प राजा और राजशाही ही है। वर्तमान परिस्थितियों और जेन-जेड आंदोलन के बाद देश ने जो राह अपनाई है, उसे देखते हुए स्थिति को संभालने के लिए राजशाही को बहाल करना आवश्यक है। जेन-जेड पीढ़ी 1997 से 2012 के बीच जन्में लोगों को कहा जाता है। रविवार को पृथ्वी नारायण की जयंती है, और गत वर्षों में इस वार्षिक रैली में प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़पें होने का इतिहास रहा है। पिछले साल मार्च में राजा के समर्थन में हुई एक रैली में दो लोग मारे गए थे। रविवार की सभा शांतिपूर्ण रही क्योंकि दंगा पुलिस ने कार्यक्रम पर कड़ी नजर रखी हुई थी।

नेपाल में विश्व हिंदी दिवस मनाया गया, विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए

काठमांडू, भाषा। नेपाल की राजधानी काठमांडू स्थित भारतीय दूतावास ने लैन्चौर में अपने परिसर में हिंदी दिवस मनाया और इस अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए। शनिवार को आयोजित इस अवसर पर दूतावास के कार्यवाहक राजदूत राकेश पांडेय ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का संदेश पढ़कर सुनाया। कार्यक्रम में काठमांडू के विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों द्वारा हिंदी कविताओं का पाठ और नृत्य प्रस्तुतियां दी गई। स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र, काठमांडू के शिक्षकों और विद्यार्थियों ने लोकप्रिय हिंदी भजनों और नृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम का आरंभ काठमांडू के कांतिभैरव गुरुकुल के विद्यार्थियों द्वारा सामवेद के मंत्रोच्चार से हुआ। इस अवसर पर नेपाल संगीत एवं नाट्य अकादमी की निशा शर्मा, भारत में नेपाल के पूर्व राजदूत रामभक्त ठाकुर, त्रिभुवन विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग के अध्यक्ष नारायण प्रसाद गौतम और साहित्यकार उषा ठाकुर को सम्मानित किया गया।

वेनेजुएला की नेता मचाडो शांति पुरस्कार ट्रंप को नहीं दे सकतीं : नोबेल इंस्टिट्यूट

वाशिंगटन, भाषा। नोबेल इंस्टिट्यूट ने स्पष्ट किया है कि वेनेजुएला की विपक्षी नेता मारिया कोरिना मचाडो हाल ही में मिला नोबेल शांति पुरस्कार अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को नहीं दे सकतीं। नॉर्वियन नोबेल इंस्टिट्यूट ने यह बयान मचाडो के यह कहने के बाद जारी किया है कि वह अपना पुरस्कार ट्रंप को देना या उनके साथ साझा करना चाहेंगी, जिन्होंने वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पकडने के अमेरिकी अभियान की निगरानी की है। मादुरो न्यूयॉर्क में मादक पदार्थों की तस्करी के आरोपों का सामना कर रहे हैं। इंस्टिट्यूट ने शुक्रवार को जारी बयान में कहा कि नोबेल शांति पुरस्कार की घोषणा हो जाने के बाद इसपर न तो रोक लगाई जा सकती है, न ही यह किसी दूसरे को सौंपा या उसके साथ साझा किया जा सकता। बयान में कहा गया है, फैसला अंतिम होता है और हमेशा बरकरार रहता है। मचाडो ने फॉक्स न्यूज के प्रस्तोता सीन हैनिटी से सोमवार को कहा था, मैं व्यक्तिगत रूप से उनसे यह कहना जरूर चाहूंगी कि हम (वेनेजुएला की जनता) यह मानते हैं कि यह पुरस्कार वेनेजुएला के लोगों का है और वे निश्चित रूप से इसे उन्हें देना या उनके साथ साझा करना चाहते हैं। पुरस्कार की घोषणा के तुरंत बाद मचाडो ने इसे ट्रंप और वेनेजुएला की जनता को समर्पित कर दिया था। ट्रंप लंबे समय से नोबेल पुरस्कार पाने की इच्छा व्यक्त करते रहे हैं।

कोहली की हत्या के बाद हिंदू समुदाय में आक्रोश भड़क उठा और इसके विरोध में प्रदर्शन किए

पाकिस्तान के सिंध प्रांत में जमींदार ने 23 वर्षीय हिंदू किसान की गोली मारकर हत्या की

» कराची, भाषा।

पाकिस्तान के सिंध प्रांत में एक जमींदार ने अपनी जमीन पर झोपड़ी बनाने के कारण 23 वर्षीय हिंदू किसान की कथित तौर पर गोली मारकर हत्या कर दी। इस घटना के बाद हिंदू समुदाय ने व्यापक विरोध प्रदर्शन किए। बदीन के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) कमर रजा जसकानी ने बताया कि पुलिस ने शनिवार रात हैदराबाद से मकान मालिक सरफराज निजामानी और उसके सहयोगी जफरुल्लाह खान को गिरफ्तार कर लिया। बदीन जिले के तलहार गांव में आश्रय के लिए निजामानी की जमीन पर एक झोपड़ी बनाने के आरोप में चार जनवरी को कैलाश कोहली को गोली मार दी गई थी।

जसकानी ने कहा, आरोपी के घटनास्थल से फरार होने और भूमिगत हो जाने के बाद इस मामले में एक विशेष टीम का गठन किया गया था लेकिन हमने आखिरकार उसे कल रात हैदराबाद के फतेह चौक इलाके से गिरफ्तार कर लिया। कोहली की हत्या के बाद हिंदू समुदाय में आक्रोश भड़क उठा और उन्होंने इसके विरोध में प्रदर्शन किए। निजामानी नहीं चाहता था कि कोहली उसकी जमीन पर झोपड़ी बनाए। गोली लगने से घायल कोहली ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। इस संबंध में उनके भाई पून कुमार कोहली ने प्राथमिकी दर्ज कराई जिसके बाद पुलिस टीम का गठन किया गया। सिंध में हिंदू अल्पसंख्यकों के लिए एक कल्याणकारी ट्रस्ट चलाने वाले शिव काची ने कहा, हिंदू समुदाय द्वारा शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शनों के माध्यम से बनाए गए जन दबाव के कारण आरोपी की गिरफ्तारी हुई। बदीन में सैंकड़ों लोग विरोध प्रदर्शनों और धरनों के लिए एकत्रित हुए थे। सिंध के पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) जावेद अख्तर ओधो ने कोहली के पिता को फोन करके गिरफ्तारी के बारे में सूचित किया, जिसके बाद विरोध प्रदर्शन खत्म हुए। काची ने निष्पक्ष सुनवाई की उम्मीद जताई ताकि हिंदू समुदाय भयानक अपराधों से सुरक्षित रहे और अधिकारियों पर उनका विश्वास बहाल हो सके।

इस्लामाबाद में गैस सिलेंडर विस्फोट में आठ लोगों की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में रविवार तड़के गैस सिलेंडर विस्फोट में मारे गए आठ लोगों में एक नवविवाहित दंपति भी शामिल था। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यह घटना सेक्टर जी-712 स्थित एक घर में शादी समारोह के दौरान हुई। बचाव अधिकारियों ने बताया कि आठ लोग मारे गए और 11 घायल हो गए, बचाव दल ने मलबे से 19 लोगों को बाहर निकाला। पाकिस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (पीआईएमएस) प्रवक्ता डॉ. अनीजा जलील ने कहा कि पीड़ितों के इलाज के लिए आपात स्थिति घोषित की गई थी। इस्लामाबाद के अतिरिक्त उपायुक्त (जनरल) साहिबजादा यूसुफ ने मीडिया को बताया कि विस्फोट से कम से कम चार घर क्षतिग्रस्त हो गए हैं। उन्होंने यह भी पुष्टि की कि मृतकों में दूल्हा और दुल्हन शामिल हैं। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि गैस रिसाव के कारण सिलेंडर में विस्फोट हुआ था। उन्होंने बताया कि विस्फोट के बाद जो मकान ढह गया, उसमें शादी में आए कई मेहमान मौजूद थे। बचाव दल ने मलबे से उनमें से कई लोगों को जीवित निकाला। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने जानमाल के नुकसान पर दुख व्यक्त किया और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886